तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 36 अंक 308 | कोरबा, शनिवार, दिनांक 09 अगस्त 2025 डाक 10 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

उपराष्ट्रपति चुनाव में बड़ा दांव चलने की तैयारी में इंडी गठबंधन, गैर-कांग्रेसी को बनाया जा सकता है उम्मीदवार

नई दिल्ली। देश के उपराष्ट्रपति के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होनी है। इसके लिए पक्ष और विपक्ष दोनों अपना-अपना उम्मीदवार चुनने के लिए दांव पेच लगा रहे हैं। इस बीच खबर है कि इंडी ब्लॉक आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव में गैर-कांग्रेसी उम्मीदवार को चुनने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि इसका मुख्य उद्देश्य सभी विपक्षी दलों को एकजुट करना है। जिससे भाजपा विरोधी वोटों को अपनी तरफ मोड़ा जा सके। बता दें कि इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के कम से कम 11 वोट शामिल हैं। गुरुवार को हुई बैठक में शामिल हुए एक वरिष्ठ विपक्षी नेता ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मार्गरेट अल्वा को विपक्ष का उम्मीदवार बनाए जाने का जिक्र करते हुए कहा, हम पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव की गलती नहीं दोहरा सकते। उस

समय संसद में दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस उम्मीदवार अल्वा का समर्थन करने से इनकार कर दिया था। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के घर पर डिनर पार्टी का आयोजन किया गया था। इस दौरान विपक्षी नेताओं की एक बैठक भी हुई, जिसमें कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे और फारूक अब्दुल्ला, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी और डेरेक ओ ब्रायन तथा माकपा महासचिव एमए बेबी सहित 14 वरिष्ठ विपक्षी नेताओं ने भाग लिया। बताया जा रहा है कि इसी बैठक के दौरान उपराष्ट्रपति चुनाव के मुद्दे पर चर्चा हुई।

बंधक 39 मजदूर मुक्त कराए गए

जगदलपुर। बस्तर प्रशासन की त्वरित और संगठित कार्रवाई ने आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले से 39 मजदूरों को बंधनमुक्त कराया। कलेक्टर के निर्देश पर तीन सदस्यीय टीम को भेजा गया, जिसने स्थानीय प्रशासन की मदद से 4 अगस्त को कार्यस्थल पर छापा मारा। मुक्त कराए गए मजदूरों में बस्तर के 13, दंतेवाड़ा के 8, कांकेर के 2, मलकानगिरी के 10, कोरापुट के 5 और नवरंगपुर के 1 मजदूर शामिल हैं। मजदूरों से जब्त मोबाइल फोन वापस दिलवाए गए और 4.64 लाख की बकाया मजदूरी भी दिलाई गई।

एसआईआर को लेकर बंगाल सरकार ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

कोलकाता ,09 अगस्त [एजेंसी]।

पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। सरकार ने पत्र के जरिए कहा कि एसआईआर को लेकर पश्चिम बंगाल के सीईओ और राज्य सरकार के बीच कोई परामर्श नहीं हुआ है। ममता बनर्जी सरकार ने पत्र के जरिए कहा कि कुछ समाचार पत्रों और समाचार चैनलों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने चुनाव आयोग को सूचित किया है कि पश्चिम बंगाल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए तैयार है। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि इस संबंध में पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय द्वारा राज्य सरकार से कोई परामर्श नहीं किया गया और ना ही इसकी कोई पूर्व सूचना दी गई थी। बंगाल सरकार ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से प्रेस रिपोर्ट की सामग्री की पुष्टि करने को कहा है ताकि किसी भी गलत सूचना को दूर किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व संस्कृत दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। संस्कृत को ज्ञान और अभिव्यक्ति का एक शाश्वत स्रोत बताते हुए प्रधानमंत्री ने विविध क्षेत्रों में इसके स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने दुनिया भर के विद्वानों, छात्रों और उत्साही लोगों के समर्पण की सराहना की जो संस्कृत सीखने, सिखाने और उसे लोकप्रिय बनाने में निरंतर लगे हुए हैं। विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत भाषाओं में तीन अलग-अलग पोस्ट साझा किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन दुनियाभर में संस्कृत सीखने और इसे लोकप्रिय बनाने वाले हर व्यक्ति के प्रयासों की सराहना करने का सुअवसर है। उन्होंने लिखा, हम श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर विश्व संस्कृत दिवस मना रहे हैं। संस्कृत ज्ञान और अभिव्यक्ति का एक शाश्वत स्रोत है।

हर बहन का सम्मान और सुरक्षा मेरा अटूट संकल्प, सीएम साय ने रक्षाबंधन की बधाई दी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और परस्पर सौहार्द की मंगलकामना करते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की

आत्मीयता, समर्पण और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है, जिसमें बहनें अपने भाई की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सुरक्षा के लिए रक्षा-सूत्र बांधती हैं, वहीं भाई भी बहनों की रक्षा और सम्मान का संकल्प लेते हैं। रक्षाबंधन पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों को सशक्त करने वाला पर्व है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक पारंपरिक त्यौहार नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास, प्रेम, करुणा और दायित्वबोध की भावना को भी उजागर करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर पर समाज में सौहार्द, भाईचारा और महिला सम्मान को और अधिक सशक्त बनाने के लिए संकल्प लें। मुख्यमंत्री श्री साय ने विशेष रूप से प्रदेश की बेटियों, बहनों और मातृशक्ति को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और सम्मान के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पावन पर्व सभी नागरिकों के जीवन में प्रेम, उमंग और एक नई ऊर्जा का संचार करेगा।

ट्रिपल मर्डर से हड़कंप, रक्षाबंधन पर शख्स ने पत्नी और दो बच्चों को उतारा मौत के घाट

पूर्वी दिल्ली। आज देशभर में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इसी बीच दिल्ली के करावल नगर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां पर एक शख्स ने गला दबाकर पत्नी व दो नाबालिग बच्चो की हत्या कर दी। वारदात के बाद से आरोपी प्रदीप फरार है। यह भगत सिंह कॉलोनी में परिवार के साथ रहता है। आशंका है भारी कर्ज व आर्थिक तंगी से परेशान होकर वारदात को अंजाम दिया है।

कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ में दो जवान शहीद, सुरक्षाबलों ने की इलाके की घेराबंदी

श्रीनगर, 09 अगस्त [एजेंसी]।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में पिछले नौ दिनों से सुरक्षाबलों ने आतंकियों के खिलाफ सैन्य अभियान चलाया हुआ है। जानकारी के अनुसार, कुलगाम में रात भर हुई गोलीबारी में दो जवान शहीद हो गए हैं। जबकि कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। आतंकियों का सेना के खिलाफ ऑपरेशन जारी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कल देर रात आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में चार सैन्यकर्मी घायल हो गए। हालांकि, चार घायल सैन्यकर्मियों में से दो जवान शहीद हो गए। कुलगाम में ऑपरेशन अखल को लेकर भारतीय सेना की चिनार कोर ने एक्स पर पोस्ट किया, चिनार कोर राष्ट्र के लिए कर्तव्य निभाते हुए वीरों, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। उनका साहस और समर्पण हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। भारतीयसेना गहरी संवेदना व्यक्त करती है और शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करती है। यह अभियान घाटी में सबसे लंबा चल रहा अभियान है, जो नौवें दिन भी जारी है। मुठभेड़ की पहली रात एक आतंकवादी मारा गया और चार सैन्यकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि क्योंकि, यह एक विशाल और घना वन क्षेत्र है, इसलिए अभियान लंबा चल सकता है।

जिस दुर्गम इलाके में आतंकी छिपे हुए हैं। वहां घना जंगल, प्राकृतिक गुफाएं, पहाड़, चरागाहें और खानाबदोश समुदाय के डेरे भी हैं। इसलिए यहां सेना को ऑपरेशन जारी रखने में कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी खबर है कि जंगल में कम से कम आठ आतंकी हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग जगह पोजीशन ले रखी है। सुबह भी यहां गोलीबारी हुई है। इस बीच, अभियान के चलते जंगल क्षेत्र में रहने वाले कुछ लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश से जलभराव, कई फ्लाइट स्थगित

नईदिल्ली, 09 अगस्त ।

शनिवार सुबह दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश हुई, जिससे दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के कई इलाकों में पानी भर गया। इसके कारण जगह-जगह जाम लग गया और फ्लाइट के समय पर भी असर पड़ा। भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और लोगों को लगातार बारिश व उससे होने वाली दिक्कतों के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। दिल्ली के शास्त्री भवन, आरके पुरम, मोती बाग और किदवई नगर समेत कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। कनॉट प्लेस, मथुरा रोड और भारत मंडपम के गेट नंबर 7 के पास भी पानी भरने से आवाजाही में परेशानी हुई। तेज बारिश की वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हुई। इंडिगो एयरलाइंस ने सोशल मीडिया पर यात्रियों को आगाह किया कि वे हवाई अड्डे आने से पहले अपनी उड़ान का स्टेटस ऑनलाइन जरूर चेक करें।

सम्राट चौधरी का राहुल और तेजस्वी पर तंज एक स्टेट तो दूसरा नेशनल लेवल का झूठा

नईदिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि दोनों नेताओं में झूठ बोलने का कंपटीशन चल रहा है। दरअसल, बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। वहीं, चुनाव आयोग ने प्रदेश की मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करवाई है। इस दौरान मतदाता सूची से 60 लाख से अधिक फर्जी मतदाताओं को हटाया गया है। विपक्ष इस प्रक्रिया पर आयोग और भाजपा पर

गड़बड़ी करने का आरोप लगा रही है। इसी बीच बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, तेजस्वी-राहुल में अभी झूठ का कंपटीशन चल रहा है। एक झूठ राहुल गांधी लेकर आते हैं तो दूसरा झूठ तेजस्वी लेकर आते हैं। कौन झूठा नंबर-1 है, अभी तय करना बहुत कठिन है। सिर्फ इतना है कि एक स्टेट लेवल का झूठा है तो दूसरा नेशनल लेवल का। उल्लेखनीय है कि चुनावी वर्ष में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध को लेकर अधिकतर विपक्षी पार्टियां लामबंद होते दिख रही हैं।

ईओडब्ल्यू-एसीबी को अनुमति का इंतजार, कस्टम मिलिंग और भारतमाला परियोजना घोटाले में जल्द होगी और भी गिरफ्तारियां

रायपुर। राज्य आर्थिक अन्वेषण ब्यूरो-एंटी करप्शन ब्यूरो(ईओडब्ल्यू-एसीबी) ने पिछले ढाई साल में 142 प्रकरण दर्ज किए हैं,इनमें आईएएस अफसरों के साथ ही छह लोकसेवक ऐसे भी हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई की अनुमति जांच एजेंसी को नहीं मिल पाई है,जिससे जांच की रफ्तार पर असर पड़ा है। लोक सेवकों में नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन चेयरमैन व कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल का नाम भी शामिल हैं। भारतमाला परियोजना में घोटाले में संलिप्त एनएचएआई के चेयरमैन सव्यसाची चौधरी, रीजनल आफिसर पंकज ओझा और एके मिश्रा के खिलाफ प्रकरण तो दर्ज कर लिया गया, लेकिन इनके खिलाफ भी कार्रवाई करने

अब तक हरी झंडी नहीं मिल पाई है। शराब घोटाले में फंसे झारखंड के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह के खिलाफ कार्रवाई के लिए झारखंड सरकार को दो बार पत्र लिखा जा चुका है, लेकिन वहां से भी अनुमति नहीं मिलने के कारण उनपर कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। कस्टम मिलिंग घोटाले में नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन चेयरमैन रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज है।

उन पर नान चेयरमैन रहते राइस मिलरों से सांठ-गांठ कर अवैध राशि की वसूली कर शासन को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। रामगोपाल के खिलाफ राइस मिलरों ने बयान भी दिया है। ईओडब्ल्यू-एसीबी ने रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ कार्रवाई के लिए 13 फरवरी को चिट्ठी लिखी थी, लेकिन अब तक शासन से विधिवत अनुमति नहीं मिल पाई है। हालांकि रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ कोल लेवी घोटाले में भी प्रकरण दर्ज हैं, और वो फरार घोषित हैं।

सरायकेला में दो मालगाड़ियों के बीच भीषण टक्कर, पटरी से उतरे ट्रेन के कई डिब्बे

सरायकेला। चांडिल जंक्शन स्टेशन के पास शनिवार सुबह दो मालगाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। जानकारी के अनुसार, डाउन लाइन पर टाटानगर से पुरुलिया जा रही लोहा लदी मालगाड़ी चांडिल स्टेशन पार करने के बाद पटरी से उतर गई। पटरी से उतरी ट्रेन के डिब्बे विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य मालगाड़ी के डिब्बों से टकरा गए, जिससे विपरीत दिशा से आ रही ट्रेन के कई डिब्बे भी पटरी से उतर गए। घटना सुबह करीब चार बजे की बताई जा रही है। मौके पर बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी और बचाव दल पहुंच गए हैं। हालांकि, यह खुलासा नहीं हो पाया है कि यह घटना कैसे हुई।स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह-सुबह एक मालगाड़ी चांडिल स्टेशन पार कर पुरुलिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक ट्रेन में तेज गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर लोग उस तरफ देखने दौड़े। यह घटना पितकी रेलवे फाटक और स्टेशन के बीच हुई।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

कोऑपरेटिव सोसाइटी पर धोखाधड़ी का आरोप, आरबीआई करेगी जांच, जवाब पर तय होगी कार्रवाई की दिशा

गोरखपुर, 09 अगस्त [एजेंसी]।

लालच का जाल बिछा, एजेंटों ने लोगों से रुपये जुटाए और संस्था आठ करोड़ रुपये लेकर चुपचाप भाग निकली। गोरखपुर में द लोनी अर्बन मल्टी-स्टेट थ्रेफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी के खिलाफ 500 से ज्यादा निवेशकों ने धोखाधड़ी की शिकायत की है। पुलिस जांच में सामने आया कि इस सोसाइटी के खिलाफ वाराणसी, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भी केस दर्ज हैं। कोतवाली थाने में दर्ज मुकदमे को लेकर आरबीआई से पुलिस ने जानकारी मांगी है। जवाब के आधार पर कार्रवाई की दिशा तय होगी। कोतवाली थाना क्षेत्र में सक्रिय रही सोसाइटी का कार्यालय वर्ष 2017 में घोष कंपनी चौराहे पर खुला था। निवेशकों की संख्या बढ़ी तो कार्यालय एल्युमिनियम फैक्ट्री के पास स्थानांतरित कर दिया गया। संस्था से करीब 45 एजेंट जुड़े थे जो लोगों को पांच वर्ष में रुपये दोगुणा होने का लालच देकर जोड़ते रहे। 2024 तक कुछ रकम लौटाई भी गई, लेकिन फिर साइट अपडेट होनी बंद हो गई और भुगतान रुक गया। सोसाइटी के विरुद्ध उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज है। वहां पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया।

एजेंटों के अनुसार, नवंबर 2024 में वेबसाइट की गतिविधियां अचानक बंद हो गईं और फरवरी 2025 में फर्जीवाड़े की पूरी सच्चाई सामने आई। कोतवाली थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर इस मामले में 11 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। सीओ कोतवाली ओंकार दत्त ने बताया कि एजेंटों द्वारा दिए गए साक्ष्य आरबीआइ को ईमेल किया गया है। जबाव मिलने के बाद साक्ष्य के साथ विवेचक आरबीआई कार्यालय भेजकर जांच कराई जाएगी जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

सरकारी सहायता से सोलर पैनल लगाना हुआ आसान, ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता अंसारी परिवार

रूफटॉप सोलर पैनल से बिजली उत्पादन हुआ सस्ता, स्वच्छ और हरित ऊर्जा का भी है स्रोतः- सरफराज अंसारी

कोरबा । प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आज देशभर में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बनकर उभरी है, जो न केवल स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है, बल्कि आम लोगों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराकर उनकी आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ बना रही है। योजना से आमजन रियायती दरों पर अपने मकान की छत पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाकर अपनी बिजली खुद बना रहे हैं।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए कोरबा नगरीय क्षेत्र के खरमोरा निवासी मोहम्मद मंसूर अंसारी ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का रूफटॉप सोलर पैनल लगवाया है। आज वह न केवल अपने घर की बिजली जरूरतें खुद पूरी कर रहे हैं। योजना से मिल रहे लाभ के संबंध में बताते हुए हितग्राही मोहम्मद अंसारी के बेटे सरफराज अंसारी ने कहा कि यह योजना प्राकृतिक ऊर्जा के संरक्षण एवं परम्परागत ऊर्जा के विकल्प के रूप में फायदेमंद है। इससे घरेलू आपूर्ति के लिए सस्ती व टिकाऊ ऊर्जा घर पर उत्पादित हो रही है। रूफटॉप सोलर पैनल से न केवल बिजली उत्पादन सस्ता हुआ है, बल्कि यह स्वच्छ और हरित ऊर्जा का स्रोत भी है। पहले जहां उन्हें हर महीने हजारों रुपये बिजली बिल के रूप में चुकाने पड़ते थे, वहीं अब वे खुद बिजली का उत्पादन कर रहे हैं, और भविष्य में वे अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर आय का स्रोत भी बना सकते हैं। सरफराज ने कहा कि इस योजना के तहत मिलने वाली सरकारी सहायता से सोलर सिस्टम लगवाना आसान हो गया है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी काफी सरल और पारदर्शी है। साथ ही उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे सोलर पैनल लगाने की लागत काफी हद तक कम हो गई। सरफराज ने कहा कि आज हमारे घर की अधिकतर बिजली सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है। इससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी घटी है। यह योजना आम नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा में भी अहम भूमिका निभा रही है।

कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों की केन्द्रीय छात्रवृत्ति के लिए ई-केवायसी जरूरी

कोरबा । कक्षा 9वीं कक्षा 12वीं के विद्यार्थियो के केन्द्र प्रवर्तित छात्रवृत्ति हेतु जियो टैगिंग, ओटीआर, ई-केवायसी आफ आईएनओ/एचओआई अनिवार्य है। उपरोक्त कार्य पूर्व सत्र में सफलता पूर्वक पूर्ण किया गया है। केन्द्र प्रवर्तित छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों के नवीनीकरण व सत्यापन हेतु पोर्टल राज्य कार्यालय द्वारा 04 अगस्त 2025 से उपलब्ध करा दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व सत्र अनुरूप विद्यालय का जियो टैगिंग व कक्षावार तथा जातिवार सारांश प्रतिवेदन (फार्मेट) व एनएसपी से ई-केवासी् का कार्य पूर्ण होने उपरान्त ही विद्यार्थी अपने लॉगिन से नवीनीकरण का कार्य कर सकेंगे। विद्यार्थी कोड/मोबाईल नंबर व जन्म दिनांक(पोर्टल में पंजीकृत) का उपयोग कर विद्यार्थी लॉगिन कर सकेंगे। (विद्यार्थी कोड/मोबाईल नंबर/जन्म दिनांक विद्यालय लॉगिन में रिपोर्ट-पंजीकृत विद्यार्थियों के आवेदन की स्थिति से देखा जा सकता है। सीएससी योजना के विद्यार्थियों के लिए ओटीआर नंबर अनिवार्य है। सीएससी योजना के विद्यार्थियों का यदि ओटीआर नंबर विद्यालय लॉगिन से भरा जा चुका है व सत्यापन में सफल पाया गया है तो विद्यार्थी लॉगिन पर प्री फिल प्राप्त होगा अन्यथा विद्यार्थी लॉगिन से दर्ज करना होगा। विद्यार्थी लॉगिन से ओटीआर नंबर दर्ज करते समय ध्यान रखना है कि विद्यार्थी की जानकारी दर्ज नाम, जन्म दिनांक, लिंग व आधार नंबर का मिलान ओटीआर से होना अनिवार्य है। विद्यार्थी लॉगिन पर एपीपीएआरआईडी (आटोमेटेड परमानेन्ट एकाडेमिक एकांउट रजिस्ट्री) के पंजीयन का वैकल्पिक प्रावधान दिया गया है।कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं के केन्द्रीय छात्रवृत्ति की पात्रतानुसार सभी विद्यार्थियों केपंजीयन व सत्यापन कार्य हेतु अंतिम तिथि 10 सितंबर 2025 निर्धारित है।

प्राईम मिनिस्टर नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला आईटीआई कोरबा में 11 अगस्त को

कोरबा । अप्रेन्टिसशिप योजनान्तर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोरबा में प्राईम मिनिस्टर नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला (पीएमएनएएम) का आयोजन 11 अगस्त सोमवार को किया जा रहा है।संस्था से प्राप्त जानकारी प्राईम मिनिस्टर नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला में जिला अंतर्गत सभी उद्योगों/प्रतिष्ठानों एवं आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों का नेशनल अप्रेन्टिसशिप प्रमोशन स्कीम में पंजीयन एवं नियोजन किया जाना है। अप्रेन्टिसशिप मेला में जिला अंतर्गत उद्योग/प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि एवं आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोरबा में 11 अगस्त को प्रातः 9 बजे उपस्थित होकर पंजीयन एवं नियोजन की कार्यवाही कर सकते हैं।

कोरबा जिले में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

कोरबा । कोरबा जिले में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास के मार्गदर्शन में विश्व स्तनपान सप्ताह 01 अगस्त से 07 अगस्त तक मनाया गया। 2025 के लिये थीम " इनवेस्ट इन ब्रेस्टफीडिंग, इनवेस्ट इन द फ्यूचर" निर्धारित की गई। समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्तनपान सप्ताह में जागरुकता कार्यक्रम चलाये गये साथ ही हितग्राहियों को स्तनपान के महत्व से अवगत कराया गया एवं बताया गया कि इससे जिले के बालमृत्यु दर में कमीं लाई जा सकती है। प्रत्येक महिला को बच्चे के जन्म से 6 माह तक केवल मां का दुग्धपान कराने हेतु प्रेरित किया गया एवं गर्भवती व शिशुवती माताओं को 6 माह तक सतत स्तनपान एवं पीला गाढ़ा दूध (कोलेस्ट्रम) दुध का महत्व समझाया गया।

मिशन शक्ति टीम कर रही है जागरुक

महिला एवं बाल विकास विभाग की मिशन शक्ति टीम द्वारा विभिन्न स्थलों में पहुंच कर जागरुकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्तनपान के महत्व व उद्देश्य से अवगत कराया, उन्होनें महिलाओं को उनके बदलते हुये जीवन शैली और कामकाज में व्यस्तता के कारण अपने बच्चें को स्तनपान न करवाने से होने वाले दुष्परिणाम से भी जागरुक किया गया साथ ही बताया कि सतत् स्तनपान कराने से स्तन कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को रोक जा सकता है और अन्य बच्चों की अपेक्षा स्तनपान वाले बच्चों में संक्रमण का खतरा कम, रोगप्रतिरोधी क्षमता अधिक होती है, स्तनपान कराने से माँ का प्रसव के बाद होने वाले रक्त स्राव को रुक जाता है जिससे माँ में खून की कमी होने का खतरा कम हो जाता है। स्तनपान कराने से माँ को हड्डियों की कमजोरी से बचाता है, माँ से मिलने वाले दूध में कोलेस्ट्रम होता है जो की शिशु को प्रतिरोधक क्षमता को बढाता है और शिशु को रोगों से बचाने के साथ स्तनपान शिशु और मां के बीच भावनात्मक बंधन को मजबूत करता है व शिशु के सर्वागीण विकास में नींव का कार्य करता है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों मे आयोजित सुपोषण चौपाल

महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देश पर जिले के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों मे 07 अगस्त 2025 को सुपोषण चौपाल का आयोजन करते हुये स्तनपान दिवस मनाया गया। इसमें उपस्थित लोगों को संतुलित आहार, पोषक तत्व, स्वास्थ्य लाभ एवं स्थानीय खाद्य पदार्थ के सेवन हेतु प्रेरित के साथ साथ रेडी टू ईट, पोषण आहार, स्थानीय साग सब्जियों व फलों के फायदे बताते हुये भागीदारी सुनिश्चित की गई जिससे जच्चा - बच्चा दोनों सुपोषित एवं स्वस्थ रहेगें।

पद्म पुरस्कार-2026 के लिये नामांकन की अंतिम तिथि 15 अगस्त तक

कोरबा । पद्म पुरस्कार-2026 के लिये नामांकन/सिफारिशें जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 से बढ़ाकर 15 अगस्त 2025 कर दी गई है। पद्म पुरस्कारों के लिये नामांकन/सिफारिशें केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल- पर ऑनलाईन प्राप्त की जाएंगी। गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किये जाने पद्म पुरस्कार 2026 के लिये नामांकन/सिफारिशें 15 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई हैं।पद्म पुरस्कार, अर्थात् पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से है। 1954 में स्थापित, इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार 'विशिष्ट कार्य' को मान्यता देने के लिये दिया जाता है और कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिये दिया जाता है। सार्वजनिक मामले, सिविल सेवा, व्यापार और उद्योग आदि। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिये पात्र हैं इसी तरह महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों, दिव्यांगजनों में से ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान करने के लिये ठोस प्रयास किये जा सकते हैं, जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में मान्यता के योग्य हैं और जो समाज की निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं, वह सभी व्यक्ति भी इन पुरस्कारों के लिये पात्र हैं।नामांकन/सिफारिशों में उपर्युक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें वर्णात्मक रूप में उद्धरण (अधिकतम 800 शब्द) भी शामिल होना चाहिए, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की उसके संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख हो।उक्त संबंध में विस्तृत जानकारी गृह मंत्रालय की वेबसाइट और पद्म पुरस्कार पोर्टल पर ''पुरस्कार और पदक'' शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध है। इन पुरस्कारों से संबंधित नियम वेबसाइट पर लिंक पर उपलब्ध है।

निगम के सातों जोन में निकाली गई हर घर तिरंगा रैली

कोरबा । कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा-निर्देशन में आयोजित किए जा रहे हर घर तिरंगा-2025 कार्यक्रम के तहत नगर पालिक निगम कोरबा के सातों जोन अंतर्गत हर घर तिरंगा रैली निकाली गई। निगम के अधिकारी कर्मचारियों, निगम की स्वच्छता दीदियों एवं महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने अपने हाथ में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर रैली में भाग लिया एवं आमनागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने घरों व दुकानों में पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएं तथा स्वच्छता के संग स्वतंत्रता का उत्सव मनाएं।

हर घर तिरंगा-2025 कार्यक्रम में नगर पालिक निगम कोरबा के नोडल अधिकारी उपायुक्त पवन वर्मा ने बताया कि भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों के तहत नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव-स्वच्छता के संग का महाअभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कार्यक्रम के प्रथम चरण अंतर्गत निगम के कोरबा जोन, टी.पी. नगर, कोसाबाड़ी, पं. रविशंकर शुक्ल नगर, बालको, दर्री व सर्वमंगला आदि सातों जोन में हर घर तिरंगा रैली का वृहद आयोजन किया गया। इस मौके पर निगम के अधिकारी कर्मचारियों, स्वच्छता दीदियों, महिला स्वसहायता समूह की सदस्यों व नागरिकों ने अपने-अपने हाथ में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को लेकर रैली में शामिल हुए तथा आमजन से आग्रह किया कि वे अपने-अपने घरों में, दुकान व प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को पूरे सम्मान के साथ फहराएं, साथ ही रैली के माध्यम से आमजन तक यह संदेश भी पहुंचाया गया कि वे स्वच्छता को अपने स्वभाव व अपने संस्कार का अभिन्न अंग बनाएं, शहर की स्वच्छता व साफ-सफाई के प्रति जागरूक रहें, जलस्त्रोतों को स्वच्छ व सुरक्षित रखें, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें, शहर को साफ-सुथरा रखने में खुद अपना सहयोग दें तथा औरो को भी इस दिशा में जागरूक व प्रेरित करें।

उद्योग मंत्री देवांगन ने दी रक्षाबंधन की बधाई

कोरबा। प्रदेश के उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है।मंत्री श्री देवांगन ने कहा, रक्षाबंधन केवल एक धागा नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाला एक गहरा भावनात्मक बंधन है, जो हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा को जीवंत करता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि रिश्तों को निभाना और एक-दूसरे के साथ खड़ा रहना हमारी सबसे बड़ी सामाजिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी है। इस शुभ अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने जानकारी दी कि कोरबा जिले में 'बहनी मन संग राखी के तिहार' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कोरबा की भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता बहनों एव जिले की बहनों को इस आयोजन में सादर आमंत्रित किया है। यह कार्यक्रम शनिवार 9 अगस्त को डी-1 बंगला, पंचवटी के पास, पंप हाउस रोड, कोरबा में, सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया है ।

निगम की जमा राशि ने लाखों रूपए का हुआ गबन बैंक के दो अधिकारी गिरफ्तार

कोरबा। एक्सिस बैंक, कोरबा में संचालित नगर पालिक निगम के बैंक खाता में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में के माध्यम से नगद जमा किये गये राशि में लाखों रुपये का गबन के मामले में दो गिरफ्तारी हुई है।

निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने यह गड़बड़ी पकड़ी, जिसके बाद निगम में खलबली मच गई थी। 79 लाख रुपये का गबन किये जाने पर प्राथमिक सूचना दर्ज करने के संबंध में आवेदन पुलिस को सौंपा गया था। प्रकरण में नगर निगम के सहायक लेखा अधिकारी प्रदीप कुमार ने सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (विश्वासघात कर संपत्ति का दुरुपयोग) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना करने के साथ आरोपियों की तलाश की जा रही थी। एक्सिस बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक मिश्रा और उनके सहयोगी प्रियांशु की गिरफ्तारी हुई है।गौरतलब है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा राजस्व वसूली से प्राप्त नगद वसूली राशि को के माध्यम एक्सीस बैंक शाखा-पावर हाउस रोड कोरबा में निगम के खाता में जमा कराया जाता है। उक्त खाता में जमा राशि का निगम के कैश पंजी / सीएमएस जमा पर्ची एवं बैंक स्टेटमेंट में बड़ा अंतर पाया गया।वर्ष 2022-23 में सीएमएस के माध्यम से जमा कुल राशि और बैंक स्टेटमेंट के आधार पर बैंक में जमा कुल राशि में 49 लाख 52 हजार 840 रुपये का अंतर पाया गया। इसी तरह वर्ष 2023-24 में सीएमएस के माध्यम से जमा कुल राशि और बैंक स्टेटमेंट के आधार पर बैंक में जमा कुल राशि में 29 लाख 47 हजार 939 रुपये का अंतर पाया गया। दोनों वर्ष को<हृश्वठ्ठद्र> मिलाकर यह अंतर राशि 79 लाख 779 रुपये होती है।0 5 माह बाद भी जमा नहीं किया था अंतर की राशिपाए गए अंतर के अनुसार सीएमएस की जमा अंतर राशि रुपये 79 लाख 779 रुपए एवं विलम्ब से राशि जमा किये जाने से हुई ब्याज की राशि गणना कर तत्काल निगम के उक्त खाता में जमा कराते हुए नगर पालिक निगम कोरबा को सूचित किये जाने हेतु निगम द्वारा नवम्बर 2024 को पत्र के जरिये एक्सीस बैंक, शाखा-पावर हाउस रोड कोरबा को सूचित किया गया था, किन्तु बैंक द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा के उक्त खाता में राशि जमा नहीं करायी गयी। बैंक के रवैये से ज्ञात होता है कि शाखा प्रबंधक एवं बैंक कैशियर द्वारा उक्त अंतर की राशि को निगम खाते में जमा नहीं कराया जाकर उक्त राशि का गबन किया गया है। इस सम्बंध में अब पुलिस को आवेदन देकर आवश्यक कार्रवाई एवं प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह किया गया था।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने दी जिले वासियो को रक्षाबंधन की बधाई

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी ने समस्त जिले वासियों को रक्षा बंधन पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैँ और इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने की कामना की है श्री मोदी ने रक्षाबंधन के इस पवित्र पर्व को भाई बहन का एक अटूट प्रेम का प्रतीक बताया है जहां बहने अपने भाइयों के कलाइयों पर राखी बांधकर भाइयों से अपनी रक्षा का वचन मांगती है वही भाई भी राखी पहन कर अपनी बहन की रक्षा करने का वचन देता हैद्य श्री मोदी ने यह भी बताया कि रक्षाबंधन का यह पावन पर्व की रस्मे सदियों से चला रहा है जो हमारे लिए पारम्परिक एवं धार्मिक भी हैँ जिसका अनेको ग्रंथो एवं पुरानो में उल्लेख है इस रक्षाबंधन पर्व का प्रारंभ होने के अनेको कथाए भी विद्यमान हैं जिसमें एक कथा के अनुसार बताया जाता है कि द्वापर युग में जब भगवान कृष्ण के हाथों में चोट लगी थी जिसे देखकर बहन द्रोपती ने अपने साड़ी का पल्लू फाड़कर अपने भाई कृष्ण के हाथों में बांधा था जो एक भाई के प्रति बहन के निस्वार्थ प्रेम को दर्शाता हैँ यह रक्षा बंधन का पर्व हमारे जीवन मे बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण लेकर आता हैँ जहाँ कुछ ही धागो के गुच्छे मे भाई बहन के अटूट पवित्र प्रेम और विश्वास समाहित होता हैँ

टीपीनगर के बाद अब बालको चेकपोस्ट फाटक में परेशानी,फंसे लोग

कोरबा । कोरबा जिले के बालको चेकपोस्ट पर लोग फंसकर घंटो परेशान होते रहे। ट्रेन फाटक पर जाकर बंद पड़ गई। फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। मालगाड़ी के फंस जाने से लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी बालको नगर स्थित प्लांट जा रही थी। इससे पहले शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग पर भी ऐसी ही घटना हुई थी, जिसमें बिजली कंपनी की मालगाड़ी फंस गई थी। रेलवे का तर्क है कि इस रास्ते पर चढ़ाई होने की वजह से समस्या होती है। कई बार गाड़ियों के आने की सूचना के बावजूद ट्रैक के बीच लोगों व मवेशियों के आ जाने से भी प्रेशर बन नहीं पाता।

लोगों का यक्ष प्रश्न है कि आखिर जिन कारणों से जनता परेशान हो रही है, उसका समाधान कौन करेगा ? फाटक के पास व्यवसाय कर रहे व्यापारियों की माने तो फाटक बंद होने और लंबे समय तक मालगाड़ी के खड़े होने के कारण दुकान के सामने वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। जिसके चलते धंधे पर काफी असर पड़ता है। ऐसे में संबंधित विभाग को भी ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ता है। जिले के फाटकों में इस तरह की घटना एक दिन की नहीं हर दो चार दिन में सामने आती है।

समपार फाटकों पर संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु जागरुकता वेबिनार आयोजित

कोरबा । दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के संरक्षा विभाग द्वारा समपार फाटकों पर संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम और संरक्षित ट्रेन संचालन को लेकर एक ऑनलाइन जागरुकता वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और रेलवे संरक्षा के प्रति जनजागरुकता बढ़ाना था। इस अवसर पर समपार फाटकों से जुड़े संरक्षा नियमों, उपकरणों की उपयोगिता, निरीक्षण प्रक्रिया और रेलवे अधिनियम 1989 के तहत प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। उप मुख्य संरक्षा अधिकारी (सिग्नल एवं टेलीकॉम) ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रकाश डाला। वेबिनार को रोचक एवं सहभागी बनाने हेतु एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ उनकी सक्रिय भागीदारी को भी प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, नागपुर और बिलासपुर रेल मंडलों के अधिकारी-कर्मचारी वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

केन्द्रीय विद्यालय की छात्राओं ने जवानों को बांधी राखी

कोरबा। रक्षाबंधन के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 एनटीपीसी कोरबा के विद्यार्थियों ने पौधे रोपित कर रक्षा सूत्र बांधा और उनकी रक्षा का संकल्प लिया। प्राचार्य सुनील कुमार साहू के मार्गदर्शन एवं शिक्षकों की उपस्थिति में विद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के स्काउट्स एवं गाइड्स ने पौधरोपण किए। इस पहल के लिए विद्यार्थी अपने अपने घरों से पौधे लेकर आए थे। साथ ही रक्षाबंधन पर छात्राओं ने के केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अफसर व जवानों को राखी बांधी। देश व देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। सीआईएसएफ के अफसर व जवानों ने भी उपहार के साथ उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर प्राचार्य एसके साहू ने कहा कि पेड़-पौधे पृथ्वी के प्रत्येक जीव की सांसें हैं तो सुरक्षा बल के जवान देश की धड़कन हैं। दोनों के कार्य की प्रकृति अलग हो सकती है पर उनका दायित्व एक है और वह है बिना किसी भेदभाव के सबकी रक्षा करना। यही सीख इन बच्चों को सिखाना लाजमी है। भावी पीढ़ी को एक सैनिक और पेड़ पौधे की महत्ता को समझना आवश्यक है। यही उद्देश्य लेकर यह कार्यक्रम आयोजित किया गय, जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता निभाई।

विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति एवं राजस्व वसूली कार्यो में तेजी लाएं :आयुक्त आशुतोष पाण्डेय

कोरबा । नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि निगम द्वारा संपादित कराए जाने वाले विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति में आवश्यक तेजी लाएं, निगम के राजस्व की वसूली से जुड़े कार्ये पर विशेष फोकस करें, वहीं नागरिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यो, टी.एल. प्रकरणों, जनसमस्याओं व शिकायतों से संबंधित विषयों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर कार्य करें। उन्होने कहा कि शहर की स्वच्छता व साफ-सफाई कार्यो से जुड़े कार्यो को पूरी गंभीरता से लें तथा इस दिशा में किसी प्रकार की लापरवाही व उदासीनता प्रदर्शित न करें।नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित एम.आई.सी. कक्ष में निगम के जोन कमिश्नरों व प्रभारी अधिकारियों की बैठक लेकर निगम के समस्त कार्यो की कार्यप्रगति की बिन्दुवार से विस्तार से समीक्षा की। उन्होने विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, आदिवासी विकास प्राधिकरण मद, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन निगम मद, सांसद, विधायक, प्रभारी मंत्री मद, वित्त आयोग मद, एनकेप मद सहित अन्य विभिन्न मदों के अंतर्गत प्रगतिरत व प्रस्तावित विकास कार्यो की कार्यप्रगति की जोनवार व मदवार समीक्षा करते हुए कार्यो की कार्यप्रगति में आवश्यक तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि स्वीकृत कार्यो की निविदा आदि की कार्यवाही समयसीमा में पूरी कराएं तथा जिन कार्यो की निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, उनकी आगामी कार्यप्रगति में तेजी लाएं।

समीक्षा बैठक के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने कलेक्टर टी.एल., निगम टी.एल., जनचौपाल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पी.एम.ओ. पोर्टल आदि में प्राप्त शिकायतों व प्रकरणों के साथ-साथ जनशिकायत व जनसमस्या से जुड़े प्रकरणों के निराकरण की वर्तमान स्थिति की बिन्दुवार समीक्षा करी। आयुक्त श्री पाण्डेय ने प्रकरणों की बिन्दुवार व प्रकरणवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि समयसीमा के प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही व उदासीनता न बरती जाए।

बैठक के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के राजस्व वसूली कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा की, उन्होने सम्पत्तिकर, समेकित कर, शिक्षा उपकर, जलकर, भवन दुकान किराया सहित अन्य मदों में प्राप्त होने वाले राजस्व की वसूली की विषयवार समीक्षा करते हुए राजस्व वसूली में तेजी लाने अभियाचन बिल जारी करने, वार्ड व बस्तियों में राजस्व वसूली के शिविर लगाने, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों की नई परिसम्पत्तियों का सर्वे कर सम्पत्तिकर का पुर्ननिर्धारण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों से कहा कि शहर के विभिन्न स्थानों में दुकानों, व्यवसायिक काम्पलेक्सों के निर्माण के प्रस्ताव भी तैयार कराएं ताकि भविष्य में निगम की राजस्व वृद्धि हेतु ठोस आधार तैयार किया जा सके।

बैठक में आयुक्त श्री पाण्डेय ने प्रधानमंत्री आवास योजना की विस्तार से समीक्षा करी, योजना के बी.एल.सी. घटक के अंतर्गत जिन हितग्राहियों को प्रथम किश्त की राशि प्रदान की जा चुकी है, किन्तु उनके द्वारा अभी तक आवासगृहों का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, ऐसे हितग्राहियों को आवासगृहों का निर्माण प्रारंभ करने हेतु प्रेरित व प्रोत्साहित करने व निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने के निर्देश अधिकारियां को दिए। उन्हेने जोन कमिश्नरों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे इस दिशा में व्यक्तिगत रूचि के साथ कार्य करें तथा आवासगृहों का निर्माण प्रारंभ कराएं।

आयुक्त श्री पाण्डेय ने साफ-सफाई कार्यो की विस्तार से समीक्षा की, उन्होने निगम के समस्त जोन कमिश्नरों, उप जोन प्रभारियों, स्वच्छता अधिकारी व निरीक्षकों तथा अन्य मैदानी अमले को निर्देश देते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रतिदिन किए जा रहे मार्निंग विजिट को लगातार जारी रखें तथा इस दौरान साफ-सफाई कार्यो का सघन निरीक्षण करने के साथ ही अतिक्रमण, अवैध कब्जों व नागरिक सेवाओं एवं सुविधाओं से जुड़े अन्य विषयों पर भी विशेष फोकस करें, समस्याओं को देखें, समझें व निराकरण कराएं, साथ ही इनसे मुझे भी अवगत कराएं।

बैठक के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, उपायुक्त द्वय बी.पी. त्रिवेदी व पवन वर्मा, जोन कमिश्नर एन.के. नाथ, प्रकाश चन्द्रा, अखिलेश शुक्ला, तपन तिवारी, सुनील टांडे, कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह, लेखाधिकारी भवकांत नायक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय तिवारी, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, सहायक अभियंता लीलाधर पटेल, राहुल मिश्रा, पीयूष राजपूत, मोतीलाल बरेठ, गोयल सिंह विमल, सुशीलचंद्र सोनी, यशवंत जोगी, अजय अग्रवाल, अविनाश जायसवाल, संजय ठाकुर, शैलेन्द्र नामदेव, सचीन्द्र थवाईत आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बंगाली डॉक्टर बेखौफ कर रहे इलाज, नहीं हो रही कार्रवाई

जांजगीर चांपा। बम्हनीडीह ब्लॉक के बिर्रा इलाके में झोलाछाप डॉक्टरों की बाढ़ सी आई हुई है। हर 100 मीटर की दूरी पर एक झोलाछाप डॉक्टर तामझाम के साथ क्लीनिक संचालित कर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे कई मामले पूर्व में सामने आ चुके हैं। इतना ही नहीं ग्रामीणों व जागरूक जनप्रतिनिधियों की शिकायत पर कोई कार्रवाई न होने से अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। वहीं बिर्रा में बंगाली डॉक्टर दीपक विश्वास द्वारा स्वास्थ्य विभाग के आला अफसरों के संरक्षण में क्लीनिक खोल डॉक्टर बनकर गंभीर बीमारियों का इलाज करने लगे है,जबकि इनके पास न तो संबंधित योग्यता है और न ही उपचार संबंधी लाइसेंस है। वहीं लम्बे समय से सस्ती दवाई दिलाने के नाम पर गरीबों का इलाज कर रहे हैं, कई बार तो मामला गंभीर हो जाता है। जिसमें मरीजों को गंभीर हालत में शासकीय एवं निजी हॉस्पिटल में भर्ती किया जाता है। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत के कारण उस पर किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

वही ग्रामीणों ने बताया कि झोलाछाप बंगाली डॉक्टर दीपक विश्वास द्वारा प्रतिबंधित गर्भपात की दवा, बीपी शुगर की दवा, इंजेक्शन सीरिंज और कई कार्टून दवाइयां जिसमें ज्यादातर दवाएं मौसमी बिमारी के साथ सामान्य रोगों के उपचार के लिए उपयोगी है। इस तरह की जीवनरक्षक दवाओं का झोलाछाप डॉक्टर के पास मिलना खतरनाक साबित हो सकता है वहीं दवाईयां का स्टॉक क्लीनिक और घर में रखा रहता है।

बताया जा रहा है कि इसके द्वारा एक्सपायरी दवाई एवं गलत दवाइयों को दिया जाता है और भोले भाले ग्रामीणों से अधिक पैसे लिया जाता है। झोलाछाप डॉक्टरों पर प्रशासन स्व द्वारा संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई की क जाती है। परंतु आज तक ब्लॉक म बम्हनीडीह क्षेत्र के किसी भी फर्जी है डॉक्टर के विरुद्ध संयुक्त टीम द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जबकि इस टीम में स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग की टीम गठित कर जांच की जाती है। आज तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई कार्रवाई समझ से परे है।

पंचायत सचिव कार्यालय से रहते हैं नदारद, ग्रामीण हो रहे परेशान

हसौद। विकासखंड जैजैपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत करही के पंचायत सचिव की मनमानी से ग्रामीण परेशान है। पिछले दो दशक से एक ही पंचायत में अंगद के पांव की तरह जमे पंचायत सचिव को ग्रामीणों ने हटाने की मांग की है। सक्ती जिला के जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत करही में पंचायत सचिव अनिल कुमार खूंटे की कार्यप्रणाली से सब परेशान हैं। पंचायत से हमेशा नदारत रहते हैं। पंचायत भवन करही में हमेशा ताला लटका रहता है। पिछले - दो दशक से एक ही पंचायत में अंगद के पांव की तरह जमे पंचायत सचिव को ग्राम करही ग्रामीणों ने अन्यत्र हटाने की मांग की है। इस संबंध में ग्राम पंचायत करही के ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सचिव अनिल कुमार खूंटे पंचायत भवन से हमेशा नदारत रहते हैं। एक-दो माह में एक या दो बार पंचायत सचिव के दर्शन हो जाए तो सौभाग्य की बात है। राशनकार्ड धारी हितग्राहियों ने बताया कि राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन पत्र में पंचायत सचिव का हस्ताक्षर करवाने के लिए पिछले दो माह से पंचायत भवन का चक्कर काट रहे हैं। इसके बावजूद भी पंचायत सचिव अनिल कुमार खूंटे का दर्शन दुर्लभ हैं। पंचायत सचिव को उसके मोबाइल नंबर पर फोन लगाने पर फोन नहीं उठाते हैं, जिसके कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत भवन करही के आसपास पूरा गंदगी का आलम है, साफ-सफाई और स्वच्छ भारत अभियान को पंचायत सचिव ठेंगा दिखा रहे हैं। यह बात ग्रामीणों के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो यहां पर पदस्थ पंचायत सचिव अनिल कुमार खूंटे के लगातार पंचायत भवन करही में नहीं आने के कारण ग्राम वासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

छोटे भाई की हत्या, आरोपी को आजीवन कारावास

जांजगीर-चांपा। छोटे भाई को डंडे से पीटकर हत्या करने %वाले आरोपी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह राजपूत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया।

अभियोजन के अनुसार 4 मार्च 2024 को प्रार्थी सुशीला बाई बरेठ थाना चांपा में सूचना दी कि वह सिवनी में रहती है। उसका मंझला पुत्र जम्मू में काम करता है। बड़ा पुत्र सुरेश तथा छोटा पुत्र संतोष उसके साथ रहते है। संतोष शराब पीने का आदी है। 3 मार्च 2024 को उसका छोटा पुत्र संतोष घर के चावल बेचकर सुबह से शराब पी रहा था। रात करीब 8 उसका बड़ा पुत्र सुरेश काम करके घर आया और खाना खा रहा था। उसी समय छोटा पुत्र घर आया और आपस में दोनों विवाद करने लगे। उसकी बाहर चौक में जाकर बैठ गई। कुछ देर बाद सुरेश आया और खाना खाने के लिए कहा और अपने साथ घर लेकर गया। प्रार्थिया घर जाकर देखी तो छोटा पुत्र संतोष अपने कमरे में सोया था। दूसरे दिन 4 मार्च 2024 को शाम 5 बजे तक संतोष नहीं उठा तो उसकी मां कमरे में जाकर देखी तो संतोष मृत हालत में पड़ा था। रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया। शव का पीएम कराया गया। जिसके अनुसार मृतक की मृत्यु गंभीर आंतरिक चोटों के कारण हुई थी। मृतक संतोष घर आया और अपने बड़े भाई सुरेश बरेठ को बड़ा खाना खा रहे हो कहकर थाली से मार दिया। इसी बात पर गुस्से में आकर सुरेश ने संतोष को डंडे से मारपीट किया, जिससे दूसरे दिन उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस धारा 302 के अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। संपूर्ण विवेचना के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालयीन कथनों व विश्लेषण के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश जांजगीर ने चांपा थाना क्षेत्र के गांव-सिवनी निवासी आरोपी सुरेश बरेठ पिता खीखलाल (43) को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक संदीप सिंह बनाफर ने पैरवी की।

10 दिन में ही सब इंस्पेक्टर की सजा माफ, हुआ बहाल

जांजगीर-चांपा.। थाने में आरोपी से मारपीट करने की सजा केवल लाइन अटैच की थी। लेकिन यह सजा भी 10 दिन में ही माफ कर दी गई। यह कहानी उस सब इंस्पेक्टर की है, जिसने बम्हनीडीह थाना प्रभारी रहते हुए एक आरोपी की पुलिस कस्टडी में बेदम मारपीट की थी। मामला कोर्ट तक पहुंच गया था। एसपी विजय कुमार पांडेय ने बम्हनीडीह थाना प्रभारी भवानी सिंह चौहान को 29 जुलाई 2025 को लाइन अटैच किया था। उस पर आरोप था कि वह आरोपी चंद्रभास के साथ बम्हनीडीह थाने में मारपीट की थी। 8 अगस्त को एसपी आफिस एक आदेश जारी किया गया जिसमें उसे लाइन अटैच की सजा से मुक्ति देकर सिटी कोतवाली में पदस्थ कर दिया है। इसके अलावा एएसआई जयनंदन कुमार मार्बल को पुलिस लाइन से थाना बम्हनीडीह, एएसआई सुनील कुमार टैगोर को लाइन से बलौदा एवं मुबिन शेख को अकलतरा थाना पदस्थ किया गया है। इनमें दो एएसआई ऐसे थे जिनके ऊपर कई तरह के आरोप थे। इसके चलते उन्हें थाने से हटाकर पुलिस लाइन में पदस्थ किया गया था।

श्रावण महीने में अनुष्ठान, बीज मंत्र से गूंजा शिवालय

रायगढ़। महिला समन्वय रायगढ़ द्वारा आयोजित अखंड ओम नमः शिवाय जाप राजापारा स्थित सम्लेश्वरी मंदिर प्रांगण में 1 जुलाई से आयोजित हुआ। हर दिन रुद्राक्ष से बने शिव की पूजा करने के साथ 24 घंटे जाप किया गया। 7 दिनों में 1 करोड़ बार जाप किया गया।

6 वें दिन शिव की श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के भस्म श्रृंगार को देखकर भावविभोर हो गए। 7 अगस्त को सुबह 11 जोड़ो द्वारा रुद्राभिषेक किया गया। दोपहर 3 बजे से हवन हुआ। पूर्णाहुति के साथ अखंड ओम नमः शिवाय जाप का समापन हुआ। शुक्रवार को सुबह अभिमंत्रित रुद्राक्ष श्रद्धालुओं में वितरित किया गए। हर दिन समलाई मंदिर प्रांगण में विशेष आरती हुई।उज्जैन महाकालेश्वर की तर्ज पर अभिमंत्रित रुद्राक्ष से निर्मित शिवलिंग की भस्म से आरती की गई। इस अवसर पर रायगढ़ और आसपास से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान महाआरती में रायगढ़ के महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू और नगर निगम के सभी जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बापू नगर के निर्मल कर्मी, अधिवक्ता संघ, पटवारी संघ, लायंस क्लब प्राइड रायगढ़, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल महिला संगठन रायगढ़, साहू समाज और चौहान समाज के सदस्य भी शामिल हुए। रायगढ़ के विधायक और वित्त मंत्री ओपी चौधरी की माता कौशल्या चौधरी भी आरती में उपस्थित रहीं।

सांप डसने के बाद झाड़-फूंक देर होने से बच्ची की गई जान

जोंधरा। मस्तूरी में सांप के काटने के बाद अंधविश्वास से बच्ची की मौत हो गई। सांप के काटने के बाद परिजन अस्पताल जाने की जगह झाड़फूंक कराने लगे । ग्राम सोन निवासी रेशमा पटेल की बच्ची को गुरुवार की सुबह करीब 4 बजे करैत सांप ने डस लिया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय गांव के एक तांत्रिक के पास झाड़-फूंक कराने ले गए। इस वजह से बच्ची का समय पर उचित इलाज नहीं हो पाया और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित किया गया। मस्तूरी ब्लॉक स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख (बीएमओ) अनिल सिंह ने बताया कि यदि बच्ची को समय रहते अस्पताल पहुंचाया गया होता, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस तरह की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता लें और अंधविश्वास से बचें।

नहर में गिरा बाइक सवार युवक की हो गई मौत

नवागढ़ । राखी के पहले दिन नवागढ़ थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना हो गई। जिसमें एक बाइक चालक युवक अनियंत्रित होकर नहर में गिर गया। गिरने से उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पामगढ़ थाना क्षेत्र के पनगांव निवासी रमेश रत्नाकर पिता मिठाई लाल 39 शुक्रवार की सुबह अपनी बाइक से नवागढ़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। वह निकल नहीं पाया और डूब गया। आसपास के लोग उसे निकालने के लिए भरसक प्रयास किए लेकिन वह बुरी तरह - गंभीर हो गया। मौके पर जानकारों को बुलाया गया। जिसने उसकी सांसे चेक की लेकिन उसकी सांसे उखड़

चुकी थी। घटना स्थल पर गांव के लोगों ने पुलिस को बुलाया। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है। डॉक्टरों ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है।

सीएम के जांजगीर प्रवास दौरान विधायक ने विभिन्न कार्यों को लेकर रखी मांग

अकलतरा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जांजगीर प्रवास के दौरान अकलतरा विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने बलौदा क्षेत्र के पहरिया में नवीन महाविद्यालय एवं बलौदा नगर पंचायत में सर्वसुविधायुक्त सतनाम भवन निर्माण की स्वीकृति ग्राम अमरताल एवं ग्राम खैजा में मेला स्थल का सौन्दर्याकरण एवं सर्व सुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण एवं विधानसभा क्षेत्र के अनुसूचित जाति बाहुल्य गांव में विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त राशि प्रदान किये जाने की मांग की है। पत्र में ग्राम पहरिया के छात्रों को12वीं के शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के लिए 15 से 20 किलोमीटर दूर बलौदा या जांजगीर जाना पड़ता है। जिससे कई छात्र उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे है। जिनमें ज्यादा संख्या छात्राओं की है, 2013 में तत्कालिन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा यहां महाविद्यालय खोलने की घोषणा की गई थी किन्तु प्रकिया आज तक आगे नहीं बढ़ पाई। इसके पूर्व भी मैंने आपके जांजगीर प्रवास पर आग्रह किया था तथा विधानसभा में ध्यानाकर्षण के माध्यम से ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया था। छात्र-छात्राओं की हित को देखते हुए शीघ्र ही महाविद्यालय प्रारंभकरने की मांग की है।

मुफ्त हेलमेट बांट लोगों को किया गया जागरूक

पहरिया। ग्राम गोवाबंद के आश्रित गांव चांदी पहाड़ में रक्षाबंधन के मौके पर बलौदा पुलिस ने एक हेलमेट भाई के नाम अभियान के तहत वाहन चालकों को मुफ्त हेलमेट बांटे। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था।

पुलिस ने बताया कि हेलमेट पहनने से दुर्घटनाओं में जान बचाई जा सकती है। इस अवसर पर थाना एसडीओपी प्रदीप सोरी, थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव और एसडीओ विजय साहू मौजूद रहे। इनके साथ शिव शर्मा, नागेश्वर सिंह, बालू साहू, विक्रांत माथुर, रामदुलारी केंवट, मुकेश यादव, गजेन्द्र पाटनवार, जितेन्द्र सिंह, इश्वरी राठौर और रोहित साहू भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें। बलौदा पुलिस ने बताया कि आगे भी ऐसे जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। ग्रामीणों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी को यातायात नियमों से जुड़ी जानकारी दी गई। हेलमेट वितरण के दौरान लोगों में उत्साह देखा गया।

बस स्टैंड में उमड़ी भीड़, पुलिस ने संभाला मोर्चा

बिर्रा। रक्षा बंधन पर बिर्रा बस स्टैंड में भारी भीड़ उमड़ी। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यात्रियों की भीड़ से अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को संभालने पुलिस निरीक्षक जयकुमार साहू खुद मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्टाफ के साथ घंटों तक ट्रैफिक को सुचारू किया। नवपदस्थ होने के बाद से ही निरीक्षक साहू लगातार गश्त कर रहे हैं। भीड़भाड़ वाले इलाकों में राहत देने लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने अवैध कारोबार पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है। लोगों से संवाद बढ़ाकर पुलिस और जनता के बीच भरोसा मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

अकलतरा चौक पर लगी लाइट सप्ताह भर से बंद

जांजगीर। अकलतरा-बिलासपुर रोड पर एनएच 49 के अकलतरा चौराहे पर लगाई गई स्ट्रीट लाइट पिछले एक सप्ताह से बंद है। लाइट बंद होने से रात में पूरा इलाका अंधेरे में डूबा रहता है। इस चौराहे को पुलिस विभाग ने पहले ही डेंजर जोन घोषित किया था। एनएच बनने के बाद यहां लगातार सड़क हादसे हो रहे थे। हादसों को रोकने के लिए चौराहे पर लाइट लगाई गई थी।

कुछ समय तक लाइट चालू रही, जिससे रात में रोशनी बनी रही। अब लाइट बंद होने से फिर से खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लाइट बंद होने से वाहन चालकों को रात में रास्ता साफ नजर नहीं आता। यहां डिवाइडर की ऊंचाई कम है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव भी ज्यादा रहता है। रोजाना सैकड़ों वाहन इस रास्ते से गुजरते हैं। लाइट बंद होने से पैदल चलने वालों को भी परेशानी हो रही है। एनएच के अधिकारियों के लापरवाही से हादसे की आशंका और बढ़ गई है।

ज्ञानोदय कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एक राखी सैनिक भाइयों को समर्पित

जांजगीर चांपा। ज्ञानोदय कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एक राखी सैनिक भाइयों के नाम के तहत राखी बनाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के संचालक डॉ सुरेश यादव और सहायक प्राध्यापिका श्रीमती चंचला मिश्रा, सहायक प्राध्यापक अमित उपाध्याय, सहायक प्राध्यापिका श्रीमती नेहा शर्मा एवं कु अनुसुइया बंजारे के निर्देशन में उन सैनिक भाइयों के लिए राखी बनाया गया ,जो अपने घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर हमारे देश की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते है । जिस प्रकार एक भाई अपनी बहन की रक्षा करता है। उसी प्रकार सीमा पर तैनात होकर दिन- रात की परवाह न करते हुए सैनिक भी हमारी रक्षा करते है । हम देश के अंदर आज सुरक्षित महसूस करते है क्योंकि आप सभी शूरवीर सीमा पर तैनात है। अतः रक्षाबंधन के पावन पर्व पर हम सब ज्ञानोदय कॉलेज के प्रशिक्षार्थी आपको राखी भेज कर आपके मंगलमय जीवन की कामना करते है । आप लोग अपने जीवन में खूब उन्नति करे । आपका जीवन सुखमय हो । जिस प्रकार आप शौर्य बल के द्वारा सीमा पर तैनात होकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। ठीक उसी प्रकार भगवान सदैव रक्षक बनकर आपके साथ रहे। आप लोग अपने जीवन में खूब गौरव और कीर्ति पाए। हम लोगों का ईश्वर से यही प्रार्थना है कि आप लोगों का जीवन खुशहाल और प्रसन्नता से भरा हुआ हो । ज्ञानोदय कॉलेज ऑफ एजुकेशन परिवार की ओर से आप लोगों को राखी की ढेर सारी शुभकामनाएं। ज्ञानोदय कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सभी प्रशिक्षार्थी और प्राध्यापकों ने उज्वल भविष्य की कामना की

कितनी पावन होती है,
राखी की यह डोर,
भाई बहन के प्यार का,
यह रिश्ता अनमोल

मुक्ताराजा स्कूल में पालक शिक्षक बैठक का समापन

बाराद्वार। शासकीय नवीन प्राथमिक शाला भांठापारा मुक्ताराजा में शुक्रवार को पालक-शिक्षक मेगा बैठक हुई। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश कुर्रे मुख्य अतिथि रहे। प्रधानपाठक हेमा चन्द्रा, शिक्षिका ताजबाई कंवर और गायत्री खैरवार की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस आयोजन की तैयारी पर चर्चा हुई। विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के उपायों पर भी बात हुई। अध्यक्ष ओमप्रकाश कुर्रे ने कक्षा में जाकर बच्चों से संवाद किया। उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने की सलाह दी। बैठक में पोखर चंद हंसे, सीमा खूंटे, ध्वजाबाई, फिरतीन सूर्यवंशी, संतोषी बंसल, सम्मत बाई, मोहन बाई और रजनी खूंटे आदि मौजूद रहे।

एसआई-एएसआई को किया है लाइन से थाने में पदस्थ

जांजगीर। शुक्रवार को एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने एक एसआई और तीन एएसआई का तबादला किया। तीन पुलिसकर्मियों को लाइन से हटाकर थानों में पदस्थ किया गया। रक्षित केंद्र की शिकायत शाखा में पदस्थ एएसआई मुबिन शेख को अकलतरा थाना भेजा गया है। एसआई भवानी सिंह चौहान को जांजगीर थाना में पदस्थ किया गया है। एएसआई जयनंदन मार्बल को बम्हनीडीह थाना और एएसआई सुनील कुमार टैगोर को बलौदा थाना भेजा गया है। भवानी सिंह चौहान पहले बम्हनीडीह थाना प्रभारी थे। 26 जुलाई को पुलिस अभिरक्षा में एक आरोपी से मारपीट का मामला सामने आया था। इस घटना के बाद उन्हें लाइन अटैच कर दिया गया था। 11 दिन बाद उन्हें फिर से जांजगीर थाना में पदस्थ किया गया है।

ई-केवाईसीः नन्दौर खुर्द पंचायत में लगाया शिविर

सक्ती। भारतीय स्टेट बैंक ने नन्दौर खुर्द ग्राम पंचायत में एक दिवसीय शिविर लगाया। इसमें भारतीय स्टेट बैंक सक्ती, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक सक्ती, पंजाब नेशनल बैंक सक्ती और बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा सक्ती शामिल हुए।

भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के निर्देश पर 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशभर में वित्तीय समावेशन योजनाओं की संतृप्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सक्ती जिले की सभी 321 ग्राम पंचायतों में जिला प्रशासन के सहयोग से बैंक शिविर लगा रहे हैं। शिविर में जनधन खातों की केवाईसी, नए जनधन खाते खोलना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना से जुड़ा काम किया। वित्तीय सेवा विभाग और भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार खातों की केवाईसी समय-समय पर जरूरी होती है, ताकि खाताधारक अपने खाते का संचालन ठीक से कर सकें।भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर के महाप्रबंधक मनीष पाराशर और सहायक महाप्रबंधक दीपेश तिवारी ने शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने बैंक अधिकारियों और लाभार्थियों से बातचीत कर वित्तीय समावेशन की अहमियत बताई। शिविर में रिजर्व बैंक की एकीकृत ऑम्ब्ड्समैन योजना 2021, निष्क्रिय खाते, डिजिटल धोखाधड़ी, बीमा योजनाएं और शासकीय ऋण योजनाओं की जानकारी दी।

अग्रणी शाखा प्रबंधक के अनुसार शिविर में 175 जनधन खातों की केवाईसी की गई। 28 नए जनधन खाते खोले गए। 35 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, 20 जीवन ज्योति बीमा और 12 अटल पेंशन योजना के खाते खोले गए। अग्रणी जिला प्रबंधक मनोज कुमार वर्मा ने सभी जनधन खाताधारकों से निष्क्रिय खातों की केवाईसी कराने की अपील की।

शिविर में जनपद पंचायत सक्ती की सीईओ प्रीति पवार, अग्रणी बैंक कार्यालय प्रबंधक मनोज कुमार वर्मा, भारतीय स्टेट बैंक के आरएम आदर्श श्रीवास्तव, पंजाब नेशनल बैंक के सर्कल हेड दिव्यरंजन नायक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के आरएम आशीष कुमार सिंह, भारतीय स्टेट बैंक सक्ती के मुख्य शाखा प्रबंधक रॉकी गोयल और सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक व स्टाफ मौजूद रहे।

अनमोल वचन......

काम इतनी शांति से करो कि
सफलता शोर मचा दे.

बेवुनियादी बातें करना राहुल को शोभा नहीं देता

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाते हुए आपराधिक मानहानि के मामले की कार्रवाई पर रोक लगा दी जिस में गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दरम्यान सीमा पर भारतीय व चीनी सैनिकों के बीच झड़पों पर टिप्पणी की थी। अदालत ने सवाल किया आपको कैसे पता चला दो हजार किमी. भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया गया है। कोर्ट ने पूछा कि क्या उनके पास सबूत है या आप वहां थे। अगर आप सच्चे भारतीय होते तो ये सब बातें नहीं करते। पीठ ने राहुल के सोशल मीडिया पर विचार व्यक्त करने पर भी प्रश्न चिह्न लगाया और संसद में अपनी बात रखने को कहा। गांधी का कहना है कि उनके भाषण संबंधी अपराधों के बीस से ज्यादा मामले चल रहे हैं, कई लोग उन्हें फंसाने की फिराक में हैं।

गांधी के खिलाफ यह मामला अगस्त, 2023 में लखनऊ मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष की गई थी जिसमें इसी मई में उन्हें सम्मन जारी किया गया था। कांग्रेस नेता का कहना कि उनका उद्देश्य सेना की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना नहीं था बल्कि यह सरकारी नीतियों की आलोचना थी। इसे उचित कहा जा सकता है मगर जैसा कि अदालत ने कहा, सांसद होने के नाते गांधी को सरकार के कामकाज या नाकामियों पर जो भी सवाल उठाना है, उसे सदन में उठाने से क्यों हिचकते हैं। राहुल की तरफ से कहा गया कि उन्हें सुनवाई का अवसर दिए बगैर ही सम्मन जारी कर दिया गया जबकि यह सुनी-सुनाई बातों व अखबारी कतरनों पर आधारित था।

यह कानूनन साबित होने तक साक्ष्य के तौर पर स्वीकार्य नहीं था। बेशक, गांधी के प्रति की गई यह शिकायत राजनीति प्रतिशोध का उदाहरण कहा जा सकता है। इससे न सिर्फ अदालतों का वक्त जाया होता है बल्कि सनसनी फैलाने का काम भी होता है। गांधी को जिम्मेदार नेता का परिचय देते हुए अप्रमाणित आरोपों से बचना सीखना होगा। सवाल सेना या सुरक्षा बलों पर आक्षेप लगाने भर की नहीं है। वरिष्ठ नेता के तौर पर बेवुनियादी बातें करना राहुल को शोभा नहीं देता। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि इसी दरम्यान सात साल बाद सीबीआई अदालत ने आप नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ एक मामले में कोई सबूत न होने की बात स्वीकारी है। यह न्यायिक व्यवस्था व सत्ताधारी दल की नीयत पर प्रश्न चिह्न लगाता है। राजनीतिक प्रतिशोधों या कीचड़ उछालने वाली राजनीति का यह निम्नतर उदाहरण न बन कर रह जाए, इसका विशेष ख्याल रखा जाना जरूरी है।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बढ़िया धन लाभ होगा, सुख सुविधा में बढ़ोतरी होगी। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको किसी काम को पूरा करने में भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। आज आपको किसी रिश्तेदार से शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे घर में खुशी का माहौल बनेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिये ठीक - ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यवसाय में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जिससे आपको बड़ा लाभ होगा। आज आप परिवार के साथ बैठकर जरुरी विषय पर चर्चा करेंगे। किसी एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी करने वाले छात्र आज अपने सीनियर से मदद ले सकते हैं। आज आपको रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिसका उपयोग आप निजी कार्यों के लिए कर सकते हैं।

मिथुन राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका काम के प्रति डेडिकेशन होने से आप जल्द ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके किसी महत्वपूर्ण कार्य का पूरा होना संभव है। आज आप दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखेंगे तो काम सुचारू रूप से बनते जाएंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का अच्छा परिणाम मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे पूरा दिन आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और आपके दाम्पत्य जीवन में खुशियां आएंगी।

सिंह राशिः आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, जिसके आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे। आज आपको मानसिक उलझन से राहत मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपका सामाजिक दायरा और सम्मान दोनों बढ़ेंगे। आज आप किसी काम को पूरा करने के लिए अपने मित्र से सहयोग ले सकते हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे, जिनका लाभ उठाकर आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। आज समाज सेवा से जुड़े व्यक्तियों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा और सहयोग मिलेगा। आज के दिन आप अपनी वाणी पर संयम बना के रखें और व्यर्थ के मामलों से दूर रहें। आज आप परिवार के साथ कुछ समय बितायेंगे, जिससे परिवार में प्रेम बढ़ेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप नयी जमीन से संबंधित लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज का दिन सुखद बीतेगा, आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज आपके द्वारा लिए गए निर्णय सकारात्मक और फायदेमंद रहेंगे। आज छात्रों को किसी समस्या से राहत मिलेगी, जिससे आप बेहतर तरीके से पढ़ाई कर पाएंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। युवाओं को आज अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। आज आप बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताये। आज आप पेपर वर्क करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें। आज आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी और परिवार का वातावरण शांत बना रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहेगा। आज प्राइवेट नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों की आय में वृद्धि होगी और बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आपको प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्या का समाधान मिलेगा, जिससे आपको संतुष्टि मिलेगी। आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते में ताल मेल बना रहेगा। आज आपको किसी असहाय व्यक्ति की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहेगा। आज आपके व्यवहार में विनम्रता बनी रहेगी, जिससे कर्मचारी आपसे प्रसन्न होंगे। आज आपको नौकरी में ट्रान्सफर से जुड़ी खबर मिल सकती है। आज आप महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं। आज आप अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए, व्यायाम और खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आप अपने व्यापार में विस्तार को लेकर चर्चा कर सकते हैं। आज आप कुछ समय प्रैक्टिकल और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ व्यतीत करे , जिससे आपके स्वभाव में भी पॉजिटिव परिवर्तन देखने को मिलेगा।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत को लेकर जीवनसाथी से बातचीत कर सकते हैं। आज आप कुछ समय एकांत या फिर आध्यात्मिक स्थल पर व्यतीत करें, जिससे आपके मन को शांति मिले। आज टूर एंड ट्रेवल्स के बिजनेस में सुधार आएगा। आज ऑफिस में कार्यभार अधिक होने की वजह से आपको ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

बहनों के स्नेह और अटूट विश्वास से आज नरेला रक्षाबंधन महोत्सव विश्व का सबसे बड़ा रक्षाबंधन महोत्सव बन चुका है

//विश्वास कैलाश सारंग//

रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, यह हिंदू दर्शन की वह मजबूत कड़ी है जो रक्षा और स्नेह, कर्तव्य और विश्वास, परंपरा और भविष्य इन सभी को एक सूत्र में पिरोती है। भारतवर्ष की आत्मा उनकी यही हिन्दुत्व संस्कृति, तीज और त्यौहार हैं जिससे हर भारतवासी गर्व और आत्मविश्वास से भर उठता है। धागे से धर्म तक विराट सनातन संस्कृति में रक्षाबंधन को अत्यंत पावन और शक्तिशाली पर्व माना गया है। यह वो क्षण होता है जब रक्षा-सूत्र केवल बंधता नहीं बल्कि संकल्प बन जाता है। यह केवल भाई-बहन के संबंध तक सीमित नहीं है बल्कि यह समाज में धर्म, कर्तव्य और आत्मीयता की रक्षा के संकल्प का भी प्रतीक है।

हमारे शास्त्रों में वर्णित रक्षाबंधन के प्रसंग हमें यह सिखाते हैं कि यह केवल रक्त संबंध का पर्व नहीं बल्कि संरक्षण और उत्तरदायित्व का बोध भी है। शिशुपाल के वध के बाद जब द्रौपदी ने श्रीकृष्ण की उंगली से बहते रक्त को देखा तो उन्होंने तुरंत ही अपनी साड़ी से एक टुकड़ा फाड़ा और प्रभु श्रीकृष्ण की उंगली पर लपेट दिया। जिससे उंगली का रक्तस्राव रुक गया। उसी समय प्रभु श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को वचन दिया था कि वे समय आने पर इस पट्टी के एक-एक धागे का ऋण जरूर उतारेंगे। इसके बाद प्रभु श्रीकृष्ण ने चीरहरण के समय अनंत साड़ी देकर उनकी मर्यादा और आत्मसम्मान की रक्षा की।

यह प्रसंग इस बात का साक्षी है कि राखी केवल धागा नहीं बल्कि रक्षा, समर्पण और अटूट विश्वास का प्रतीक है। एक दिव्य संकल्प है; सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान की जिम्मेदारी का।

राखी का एक सूक्ष्म धागा जब प्रेम, विश्वास और अपनेपन से जुड़ता है, तो वह केवल भाई-बहन का संबंध नहीं बनाता बल्कि धर्म, कर्तव्य और करुणा का सेतु बन जाता है। और यही सेतु नरेला की पावन भूमि पर पिछले 17 वर्षों से हर रक्षाबंधन पर बनता आ रहा है और मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि हर वर्ष लाखों बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधती हैं, और मैं गर्व से कहता हूं कि मैं लाखों बहनों का भाई हूं।

यह कोई औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि मेरे दिल से जुड़ा हुआ एक आत्मिक संकल्प है। जो हर वर्ष और अधिक भावनात्मक अधिक व्यापक और अधिक ऐतिहासिक बनता जा रहा है।जब मैंने 17 वर्ष पहले नरेला विधानसभा में रक्षाबंधन के इस आयोजन की शुरुआत की थी। तब मेरा उद्देश्य केवल एक था। हर बहन को यह विश्वास दिलाना कि मैं उनका भाई हूं, उनका रक्षक हूं और उनकी खुशियों के लिए सदैव समर्पित हूं।आज यह आयोजन विश्व का सबसे बड़ा रक्षाबंधन महोत्सव बन चुका है, जिसमें लाखों की संख्या में बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधती हैं। यह एक मजबूत सामाजिक विश्वास, एक अटूट भावनात्मक संबंध और एक अपार आत्मीयता का प्रतीक बन चुका है।इस वर्ष भी विश्व का सबसे बड़ा नरेला रक्षाबंधन महोत्सव 11 अगस्त से प्रारंभ होने जा रहा है। जिसमें लाखों की संख्या में बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधकर अपना अमूल्य आशीर्वाद प्रदान करेंगी। जब बहनें मुझे राखी बांधती हैं, तो मैं केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि उनके परिवार के एक सदस्य के रूप में उपस्थित होता हूं। हर राखी मेरे कर्तव्यों की याद दिलाती है, हर मुस्कान मुझे प्रेरणा देती है और हर बहन की आँखों में विश्वास मुझे शक्ति देता है।

यह महोत्सव केवल मेरा नहीं, हर नरेलावासी का पर्व बन चुका है। इसमें सामाजिक समरसता, नारी सशक्तिकरण और सनातन संस्कृति के मूल्यों का अद्भुत समावेश होता है। रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर मैं केवल धागा नहीं बंधवाता बल्कि हर बहन के जीवन में सुरक्षा, स्वावलंबन, सम्मान और स्वाभिमान की गांठ भी बांधता हूं। यह मेरा संकल्प है कि जब तक मेरा जीवन है तब तक हर बहन को यह विश्वास रहेगा कि उसका भाई हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है।जब बहनें मुझे राखी बांधने आती हैं। कोई छोटी बच्ची है जो पहली बार राखी बांध रही है, कोई वृद्ध मां तुल्य बहन है जो आंखों में आशीर्वाद और विश्वास लिए आती है। यह दृश्य केवल भावुक कर देने वाला नहीं होता, वह अंतर्रात्मा को झकझोरता है साथ ही जीवन में सेवा के संकल्पों की दिशा तय करता है।

रक्षाबंधन मेरे लिए एक जिम्मेदारी है, एक आशीर्वाद है और एक संकल्प है। हर राखी मुझे एक स्मरण कराती है कि मेरा जीवन केवल सेवा के लिए है और बहनों के सम्मान और सुरक्षा के लिए है। बहनों द्वारा बांधा गया रक्षासूत्र मेरे लिए सिर्फ कलाई पर बंधा धागा नहीं बल्कि बहनों के सशक्तिकरण का व्रत है। आज नरेला विधानसभा की पहचान एक विधानसभा के रुप में नहीं बल्कि नरेला परिवार के रुप में है। यहां हर हिन्दू पर्व केवल परंपरा नहीं बल्कि उत्सव और उल्लास की जीवंत धारा बनकर बहता है। यहां दीपावली की रौशनी सिर्फ घरों को नहीं, दिलों को भी जगमगाती है।

होली के रंग केवल चेहरे नहीं, आत्माओं को जोड़ते हैं। रक्षाबंधन के रक्षासूत्र, यहां सिर्फ कलाइयों पर नहीं, समर्पण और संस्कार की डोर बनकर बंधते हैं। मैं गर्व के साथ कहता हूं कि नरेला विधानसभा नहीं नरेला मेरा परिवार है। जहां धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।मेरे लिए हर बहन द्रौपदी की छाया है, जिनकी मर्यादा की रक्षा प्रभु श्रीकृष्ण ने की थी। हर बहन माता सीता का प्रतीक है, जिनके सम्मान के लिए प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध किया और हर बहन भारत माता की बेटी है, जिनके सशक्तिकरण से यह भारत देश समृद्धि होगा।नरेला परिवार की हर बहन मेरी शक्ति है, मेरी प्रेरणा है और मेरी विजय का प्रतीक है। बहनों मैं यह वचन देता हूं कि जब तक मेरे जीवन में श्वास है, जब तक मेरे कर्म में शक्ति है, तब तक हर बहन की रक्षा, सम्मान, सशक्तिकरण और स्वाभिमान के लिए मैं सदैव समर्पित रहूंगा।मैं इस पवित्र पर्व पर एक बार फिर समस्त बहनों को नमन करता हूं और वचन देता हूं कि जब तक आपके भाई विश्वास की कलाई धड़कती रहेगी, तब तक हर बहन की मुस्कान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। बहनों के विश्वास का यह पर्व मेरे जीवन की अक्षय पूंजी है। बहनों आपका स्नेह, आशीर्वाद और अपनापन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

पीएम-किसानः किसानों के सशक्तिकरणऔर ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं के रूपांतरण का भारत का वैश्विक खाका

//डॉ. प्रमोद मेहरदा, अरिंदम मोदक//

समावेशी विकास और ग्रामीण समृद्धि के सफर में, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना, भारत सरकार की एक अग्रणी पहल के रूप में उभर कर सामने आई है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई, इस पहल ने लाखों छोटे एवं सीमांत किसानों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है और पूरी तरह से डिजिटल, कुशल एवं पारदर्शी प्रणाली के जरिए प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करने के एक वैश्विक मॉडल के रूप में खुद को स्थापित किया है।

मूल रूप से,पीएम-किसान योजना पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की सहायता प्रदान करती है। यह सहायताराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के जरिए 2,000 रुपये की तीन बराबरकिस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जाती है। इस सुव्यवस्थित एवंतकनीक-संचालित कदम से बिचौलियों की भूमिका, लाभ मिलने में होने वाली देरी और त्रुटि की गुंजाइशखत्म होतीहै और एक-एक पाई इच्छित लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित होता है।

इस योजना की शुरुआत से लेकर अब-तक,कुल 3.69 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को हस्तांतरित की जा चुकी है। इस प्रकार, पीएम-किसान दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल रूप से क्रियान्वित नकद हस्तांतरण कार्यक्रमों में से एक बन गया है। आंकड़ों से परे, यह कदम सब्सिडी से हटकर सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ने संबंधीएक बदलाव का प्रतीक है। बातचाहे बीज की हो या उपकरण या शिक्षा या फिर स्वास्थ्य की, इस योजना से किसानों को यह तय करने की आजादी मिलती है कि वे इस सहायता का सबसे बेहतरइस्तेमाल कैसे करें।

दो हेक्टेयर से कम जमीन वाले भारत के 85प्रतिशत से अधिक किसानों के लिए ये लाभ बुवाई या कटाई के मौसम में एक अहम आर्थिक सेतु का काम करते हैं। ये लाभ अल्पकालिक नकदी प्रवाह के तनाव को कम करते हैं, अनौपचारिक ऋण पर निर्भरता में कमीलाते हैंऔर संकट के समय एक सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं।

वित्तीय सहायता से कहीं बढ़कर, पीएम-किसान योजना समावेशिता, सम्मान और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक भागीदार के रूप में किसान की मान्यता का प्रतीक है। पीएम-किसान की सफलता का श्रेय भारत के मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे को जाता है। जेएएम की तिकड़ी -जन धन बैंक खाते, आधार बायोमेट्रिक पहचान और मोबाइल कनेक्टिविटी - ने बड़े पैमाने पर लाभ के निर्बाध वितरण को संभव बनाया है। स्व-पंजीकरण से लेकर भूमि स्वामित्व के सत्यापन और डीबीटी द्वारा समर्थ भुगतान तक, इस पूरी योजना का जीवनचक्र डिजिटल है। राज्य सरकारों के सहयोग से, पीएम-किसान डिजिटल रूप से समन्वित तथा एक छोर से दूसरे छोर तक आसानी से पहुंचने वाले शासन के एक बेहतरीन मॉडल के रूप में कार्य करता है। इसने विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भूमि अभिलेखों, लाभार्थियों के डेटाबेस और भुगतान प्रणालियों को सफलतापूर्वक समन्वित किया है औरइससे दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में किसान-केन्द्रित एक उत्तम संरचना का निर्माण हुआ है।

पीएम किसान ने कृषि से जुड़े इकोसिस्टम में किसान ई-मित्र वॉयस-आधारित चैटबॉट और एग्री स्टैक जैसी नवीन परियोजनाओं को भी प्रेरित किया है। एग्रीस्टैक व्यक्तिगत, समय पर और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जिससे भारतीय कृषि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सके। दुनिया भर में, प्रत्यक्ष लाभ कार्यक्रमों को गरीबी उन्मूलन के कारगर साधनों के रूप में तेजी से मान्यता मिल रही है। फिर भी, पीएम-किसान की कुछ अनूठी विशेषताएं हैं –इसका विशाल आकार, गति और डिजिटल विश्वसनीयता इसे बिखरी हुई कृषि सहायता प्रणालियों में सुधार के लिए प्रयासरत देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनाती है। आईएफपीआरआई, एफएओ, आईसीएआर और आईसीआरआईएसएटीजैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने छोटे किसानों की आय बढ़ाने, ऋण की सुलभता में सुधार, असमानता को कम करने और आधुनिक कार्यप्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में पीएम किसान की भूमिका पर प्रकाश डाला है। कई देशों में जारी सशर्त हस्तांतरण के उलट, इसका विश्वास-आधारित वबिना शर्त वाला दृष्टिकोण, सहभागी एवंसम्मान-आधारित कल्याणकारी वितरण की दिशा में एक बड़ी छलांग है।पीएम-किसान का सकारात्मक प्रभाव केवल व्यक्तिगत लाभार्थियों तक ही सीमित नहीं है। इसके तहत होने वाले अनुमानित नकदी प्रवाह ने ग्रामीण बाजारों को पुनर्जीवित किया है, कृषि-उत्पादों की मांग को प्रोत्साहित किया है और घरेलू उपभोग के पैटर्न को मजबूत किया है। इसने महिलाओं को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर उन मामलों में जहांबैंक खाते संयुक्त रूप से खोले जाते हैं।इसके अलावा, यह एक समग्र और परस्पर संबद्ध ग्रामीण विकास इकोसिस्टम का निर्माण करके मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम फसल बीमा योजना और ई-नाम जैसी अन्य प्रमुख योजनाओं का पूरक है। किसानों के लिए एक पेंशन योजना, पीएम-किसान मानधन योजना के साथ इसका एकीकरण, भारत के कृषि कार्यबल के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

पीएम-किसान एक वित्तीय सहायता तंत्र से कहीं बढ़करहै। यह भारत सरकार के किसानों के नेतृत्व वाले विकास का एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। अधिकार से सशक्तिकरण की ओर, सहायता से स्वायत्तता की ओर स्थानांतरित होकर, यह राज्य और किसान के बीच अनुबंध को नए सिरे से परिभाषित करता है।भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में पीएम-किसान जैसी पहल समावेशी प्रगति की नींव रखती है। उन्नत तकनीकों के निरंतर एकीकरण और जलवायु परिवर्तन के प्रति दृढ़ता, स्थिरता और सटीक कृषि पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, यह योजना बदलाव की दिशा में एक बेहदशक्तिशाली कदमके रूप में विकसित होने के लिए तैयार है। पीएम-किसान विश्वास, तकनीक और परिवर्तन की कहानी है। यह दुनिया के लिए भारत का योगदान है। यह योजना एक जीवंत उदाहरण है कि कैसे एक दूरदर्शी नीति, डिजिटल नवाचार और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर, लाखों लोगों को सशक्त बना सकती है और 21वीं सदी के शासन को नए सिरे से परिभाषित कर सकती है।

चर्चाओं में योगी, फड़नवीस

इन दिनों एक और फेवरिट टाइमपास उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के बारे में चर्चाओं का है। ये दो नेता ऐसे हैं, जिनको प्रधानमंत्री पद का दावेदार माना जा रहा है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रास्ते का कांटा भी माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि अमित शाह किसी तरह से इन दोनों को ठिकाने लगाने के प्रयास में हैं। इस कयासबाजी को रोज यूट्यूब प्लेटफॉर्म के इन्फ्लूएंसर हवा दे रहे हैं। कई 'समझदार' लोग तो योगी आदित्यनाथ को ही अगला उप राष्ट्रपति बनवा रहे हैं। सोचें, 53 साल का उप राष्ट्रपति!

ऐसे 'समझदार' लोगों की एक दूसरी जमात है, जो योगी को उप राष्ट्रपति नहीं बनवा रही है, बल्कि देश का रक्षा मंत्री बनवा रही है और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को देश का उप राष्ट्रपति।

असल में पिछले दिनों योगी आदित्यनाथ दिल्ली आए तो उन्होंने तीनों दरबारों में हाजिरी लगाई। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले। उनसे पहले दोनों उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य भी दिल्ली आए थे और अलग अलग जाकर अमित शाह से मिले थे। तभी कहा जाने लगा था कि उत्तर प्रदेश में बदलाव की शुरुआत होने वाली है। यह दावा किया कि किसी भी हाल में भाजपा योगी के नेतृत्व में यूपी का चुनाव नहीं लड़ेगी। अगर उनके कमान में यूपी का चुनाव होता है और जीतने के बाद वे तीसरी बार मुख्यमंत्री बनते हैं तो फिर अमित शाह के दिल्ली के तख्त पर बैठने की हसरत कभी पूरी नहीं हो पाएगी। इस मामले में सिर्फ कयासबाजी नहीं हो रही है।

उधर महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस की सरकार हर दिन किसी न किसी मामले में उलझ रही हैं। भाषा का मामला सरकार के गले की हड्डी बना। हालांकि कहा जा रहा है कि फड़नवीस ने इस आपदा को अवसरर बना दिया है। मराठी और हिंदी के विवाद में उद्धव व राज ठाकरे एक साथ आए हैं, जिनको फिर से एनडीए में लाने के प्रयास हो रहे हैं और साथ ही शिव सेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे को अलग थलग करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि शिंदे के सिर पर अमित शाह का हाथ होने की खबर है। दावा किया जा रहा है कि शिव सेना टूटने के बाद अमित शाह ने ही फड़नवीस की जगह शिंदे को सीएम बनवाया था और पिछले साल की भारी भरकम जीत के बावजूद फड़नवीस का फैसला अटकाया था। जिस तरह योगी चुनौती बने हैं वैसे ही फड़नवीस भी चुनौती हैं। राज्य में फड़नवीस और शिंदे में ठनी है। दोनों में शीतयुद्ध चल रहा है। कुछ समय पहले शिंदे दिल्ली आकर लौटे हैं। मोदी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए अमित शाह को योगी आदित्यनाथ और देवेंद्र फड़नवीस से चुनौती मिलने के कयास हैं और इसी वजह से दोनों के खिलाफ साजिश किए जाने की अफवाहें फैल रही हैं।

तस्वीरों की दुनिया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और एआईसीसी महासचिव के.सी. बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में पार्टी की वोट अधिकार रैली के दौरान वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में बादल फटने से प्रभावित धराली क्षेत्र का दौरा किया।

सीतामढ़ी में एक जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

गुरुग्राम में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए रिहर्सल के दौरान प्रदर्शन करते स्कूली छात्र।

नवी मुंबई में नारली पूर्णिमा उत्सव के अवसर पर पारंपरिक परिधानों में सजी कोली समुदाय की महिलाएं जुलूस में भाग लेती हुईं।

नई दिल्ली स्थित संसद भवन में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ एक समूह फोटो में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला।

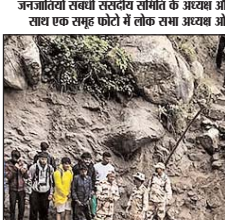

आईटीबीपी के जवानों ने हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से प्रभावित किन्नौर में फंसे कैलाश यात्रा तीर्थयात्रियों को बचाया।

नहीं चलेगी ट्रंप की मनमानी! भारत, चीन और रूस ने एकजुट होकर दुनिया को क्या दिया संदेश ?

नईदिल्ली, 09 अगस्त [एजेंसी]।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ रूस, चीन और भारत पर एकतरफा दबाव बनाने में जुटे हैं; वहीं इन तीनों देशों के बीच कूटनीतिक संपर्क बढ़ने के साफ संकेत है। पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बात हुई। इसके कुछ ही देर बाद पुतिन ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बात की। प्रधानमंत्री मोदी की आगामी चीन यात्रा को लेकर वहां की सरकार ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि चीन मोदी के स्वागत को तैयार है। उनकी प्रस्तावित यात्रा को उसने मित्रता का समागम बताया। इस तरह से देखा जाए तो ट्रंप ने ब्रिक्स संगठन के जिन चार संस्थापक देशों (भारत, चीन, रूस और ब्राजील) को निशाना बनाया है, उनके शीर्ष नेताओं के बीच पिछले 24 घंटे में संवाद हो चुका है। जाहिर है कि ये संवाद कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के बरक्स अपने राष्ट्रीय हितों को मजबूती देने से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेट मीडिया पर जानकारी दी, मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन से बहुत अच्छी और विस्तार में बातचीत हुई। यूक्रेन पर ताजी जानकारी देने के लिए मैंने उनका धन्यवाद किया। हमने द्विपक्षीय संबंधों के एजेंडे की समीक्षा की और भारत-रूस विशेष रणनीतिक साझेदारी को और ज्यादा गहरा बनाने पर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। राष्ट्रपति पुतिन इस वर्ष के अंत तक भारत आएंगे, मैं उनका इंतजार कर रहा हूं।

एक दिन पहले ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की थी।विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी अगले कुछ दिनों के भीतर रूस और चीन की यात्रा करने वाले हैं। सनद रहे कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्तेभर में 70 देशों के आयात पर पारस्परिक शुल्क लगाने का ऐलान किया है। इसमें सबसे ज्यादा शुल्क उन्होंने अमेरिका के सबसे बड़े रणनीतिक साझेदार देश भारत पर लगाया है। भारत पर पहले 25 प्रतिशत और उसके बाद 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाने का एलान किया गया है। अतिरिक्त शुल्क रूस से तेल खरीदने का आरोप लगाते हुए लगाया गया है। भारत ने इसका कड़ा विरोध किया है और राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले को असंगत व अन्यायपूर्ण करार दिया है। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हरसंभव कदम उठाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भी गुरुवार को कहा कि देश किसानों व मछुआरों के मुद्दे पर नहीं झुकेगा, भले ही इसका उन्हें व्यक्तिगत नुकसान हो। कई विशेषज्ञों ने कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और अमेरिका के संबंधों को सुधारने को लेकर पिछले 20 वर्षों की कोशिशों पर पानी फेर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की एक दिन पहले ही ब्राजील के राष्ट्रपति लुला दा सिल्वा से भी बात हुई थी। ब्राजील भी अमेरिका के निशाने पर है।

जैसलमेर के लोंगेवाला पोस्ट के पास चीन निर्मित ड्रोन मिला, सीमा सुरक्षा बल हाईअलर्ट पर

जैसलमेर। पाकिस्तान से सटी से अंतराष्ट्रीय सरहद पर 15 अगस्त से पहले सीमा सुरक्षा बल हाईअलर्ट पर है। जवानों ने जैसलमेर , बाड़मेर , बीकानेर व श्रीगंगानगर से लगते बॉर्डर पर पेट्रोलिंग भी बढ़ाई है।इस बीच गुरुवार शाम को जैसलमेर के लोंगेवाला पोस्ट पर जवानों को एक चाइनीज ड्रोन मिला है। सूत्रों के अनुसार ये एक चाइनीज हाईटेक जासूसी ड्रोन है। इसमें एक कैमरा भी लगा है। जानकारी के अनुसार जवानों को ड्रोन जैसलमेर के सेक्टर साउथ में मिला था। फिलहाल इसके कंट्रोलिंग को लेकर जांच की जा रही है कि इसे कहां से ऑपरेट किया जा रहा था।ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने राजस्थान बॉर्डर से लगते इलाकों में ड्रोन अटैक किए थे । इस कारण सिक्योरिटी एजेंसी यहां ड्रोन फ्लाइंग व अन्य जासूसी उपकरणों को लेकर ज्यादा सतर्क हो गई हैं।सूत्रों के अनुसार ड्रोन के जरिए जासूसी की आशंका भी जताई जा रही है । फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां ड्रोन की रेंज और फीड खंगाल रही है। इसके साथ ही ड्रोन में कौनसा कैमरा और तकनीक थी इसकी भी तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से सीमावर्ती क्षेत्रों में आम नागरिकों द्वारा ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है।

कर्नाटक की महिलाओं के समूह को यूएन का प्रतिष्ठित पुरस्कार, 10 हजार डॉलर का मिलेगा नकद इनाम

संयुक्त राष्ट्र, 09 अगस्त [एजेंसी]।

कर्नाटक की स्वयं सहायता समूह को संयुक्त राष्ट्र (यूएनडीपी) के प्रतिष्ठित इक्वेटर पुरस्कार 2025 के लिए 10 विजेताओं में शामिल किया गया है।बीबीफातिमा स्व सहाय संघ के नाम से संचालित इस समूह का नेतृत्व केवल महिलाएं करती हैं। ये पुरस्कार स्थानीय समुदायों को प्रकृति आधारित समाधानों को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है। इस स्वयं सहायता समूह से राज्य के 30 गांवों में फैले 5000 किसानों की मदद करता है। यूएनडीपी की तरफ से दिए जानेवाले इस पुरस्कार को इस साल पानेवाले देशों में अर्जेंटीना, ब्राजील, इक्वाडोर, भारत, इंडोनेशिया, केन्या, पापुआ न्यू गिनी, पेरू और तंजानिया शामिल हैं। पुरस्कार के लिए 103 देशों की तरफ से 700 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। ये पुरस्कार इस साल के आखिर में ब्राजील के बेलम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कोप30) में दिया जाएगा। इसके तहत 10 हजार डॉलर का नकद इनाम भी दिया जाता है।

CDS जनरल अनिल चौहान ने सिस्टर ऑफ सोल्जर्स से बंधवाया रक्षा सूत्र, इस पर्व का हुआ शुभारंभ

जोधपुर। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की कलाई पर रक्षासूत्र बांध सिस्टर ऑफ सोल्जर्स कर्नल (मानद) पार्वती जांगिड़ सुथार ने सुरक्षित सीमा - समर्थ भारत भारत रक्षा पर्व यात्रा- 2025 का आगाज किया। जोधपुर की पार्वती जांगिड़ ने नई दिल्ली स्थित एकीकृत सेना मुख्यालय , में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा।पार्वती वर्ष में दो बार रक्षाबंधन और दीपावली - देश की सीमाओं पर जाती हैं । वहां वे न केवल सैनिक भाइयों की कलाई पर स्वयं के हाथों से तैयार किए गए रक्षा सूत्र बाँधती हैं , बल्कि उनके साथ समय बिताकर उनकी समस्याओं को भी संबंधित विभागों के माध्यम से हल कराती हैं । उनका यह सफर आज केवल परंपरा नहीं , बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन का रूप ले चुका है। पार्वती के शब्दों में यह केवल एक औपचारिक उद्घाटन नहीं , बल्कि राष्ट्र की सीमाओं पर तैनात हर सैनिक के मन में यह संदेश पहुँचाने का क्षण था कि देश की बहनें हर परिस्थिति में , हर मौसम में , हम एक क्षण उनके साथ खड़ी हैं। समारोह में अनिल चौहान ने कहा- यह रक्षा सूत्र केवल एक जनरल अफसर को नहीं , बल्कि यह तीनों सेनाओं के अध्यक्ष , साठ हजार से ज्यादा अधिकारी , बीस लाख से ज्यादा फौजी भाइयों की कलाई पर विश्वाश और स्नेह की डोर बाँधी है , भारतीय सशस्त्र बल हमेशा राष्ट्र प्रथम , हमेशा प्रथम रख देश की हर स्थिति में सुरक्षा करता रहेगा । इस अवसर पर जनरल चौहान ने पार्वती आत्मीयता की भावनाओं और राष्ट्रसेवा के कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया हैं ।पार्वती के मिशन सुरक्षित सीमा समर्थ भारत भारत रक्षा पर्व यात्रा की तारीफ करते हुए कहा की रक्षा बंधन के पावन पर्व पर अपने परिवारों से दूर हमारे सैनिकों को आपके द्वारा रक्षा सूत्र बाँध एवं संवाद करने से उनका मनोबल कई गुना बढ़ता है। निस्संदेह आपकी उपलब्धियाँ समस्त देश की महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत हैं तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं । आप केवल सैनिकों की बहन नहीं, बल्कि पूरे देश की प्रेरणा हैं ।

भूषण पावर एंड स्टील के परिसमापन मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका का विरोध, वैधता पर उठाए सवाल

नईदिल्ली, 09 अगस्त [एजेंसी]।

भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) की संकटग्रस्त स्थिति में समिति के ऋणदाता (सीओसी) ने शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय में पूर्व प्रमोटरों की याचिका का विरोध किया। उन्होंने याचिका की वैधता पर सवाल उठाए।सीओसी का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष अपने तर्क प्रस्तुत किए। यह पीठ 2 मई के अपने फैसले से संबंधित याचिकाओं पर फिर से सुनवाई कर रही है, जिसमें बीपीएसएल के परिसमापन का आदेश दिया गया था और जेएसडब्ल्यू स्टील की समाधान योजना को खारिज कर दिया गया था।प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने 31 जुलाई को इस फैसले को वापस लिया और मामले में याचिकाओं की फिर से सुनवाई करने का निर्णय लिया।पूर्व न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ ने 2 मई को बीपीएसएल के परिसमापन का आदेश दिया था, जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड की समाधान योजना को खारिज कर दिया था।

पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर मुद्दे का राग, बोला- अमेरिका या किसी भी देश की मदद का स्वागत

इस्लामाबाद, 09 अगस्त [एजेंसी]।

ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख के विपरीत पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए वह अमेरिका या किसी अन्य देश से किसी भी मदद का स्वागत करेगा। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कश्मीर मुद्दे में अमेरिका की रुचि के बारे में पूछे जाने पर यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा, कश्मीर मुद्दे के समाधान में अमेरिका की रुचि के बारे में हम न केवल अमेरिका से, बल्कि किसी भी देश से मदद का स्वागत करते हैं जो स्थिति को स्थिर करने और कश्मीर विवाद के समाधान की दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर सकता है, जो दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा के मुद्दों का केंद्र है। भारत का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ अपनी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी नहीं चाहता है। साथ ही भारत ने स्पष्ट कर चुका है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल गुलाम जम्मू-कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।

देश की विभिन्न हाई कोर्टों में 16 नए न्यायाधीश नियुक्त, केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली। सरकार ने विभिन्न हाई कोर्टों में 16 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की। देशभर के हाई कोर्टों में 345 रिक्तियों के मद्देनजर ये नियुक्तियां महत्वपूर्ण हैं। कानून मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि न्यायिक अधिकारी विमल कुमार यादव को दिल्ली हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।साथ ही अतिरिक्त न्यायाधीश हरिनाथ नुनेपल्ली, किरणमयी मांडव, सुमति जगदम और न्यापति विजय को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है, जबकि अतिरिक्त न्यायाधीश पार्थ सारथी सेन और अपूर्व सिन्हा रे को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

ये खतरे की घंटी, भारत पर टैरिफ थोपने को लेकर US में ही ट्रंप की आलोचना, पूर्व अधिकारी ने भी खोली पोल

नईदिल्ली, 09 अगस्त [एजेंसी]।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप ने इसके पीछे की वजह भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने को बताया है। इस फैसले से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया है और अमेरिका के भीतर इसकी कड़ी आलोचना हो रही है। अमेरिका के दोनों बड़े राजनीतिक दल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट के नेताओं ने इस फैसले पर नाराजगी जताई है। उनका मानना है कि इससे अमेरिका और भारत के बीच बना रणनीतिक भरोसा कमजोर हो सकता है। अमेरिका के पूर्व डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट कर्ट कैंपबेल ने ट्रंप के इस कदम को भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए खतरे की घंटी बताया।

उन्होंने CNBC इंटरनेशनल से बातचीत में कहा, 21वीं सदी में अमेरिका का सबसे अहम रिश्ता भारत के साथ है। लेकिन ट्रंप की भाषा और फैसलों से यह रिश्ता खतरे में पड़ गया है। कैंपबेल ने यहां तक कह दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्रंप के सामने झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव डालेगा तो भारत उल्टा रास्ता अपना सकता है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच स्पष्ट और खुली बातचीत चल रही है। मंत्रालय ने भारत को रणनीतिक साझेदार बताया और भरोसा दिलाया कि रिश्तों को मजबूत बनाए रखने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, ट्रंप ने एक बयान में साफ कहा कि जब तक टैरिफ विवाद नहीं सुलझेगा, तब तक भारत से कोई व्यापार वार्ता नहीं होगी।

आ सकती है 1929 जैसी महामंदी, टैरिफ पर होगी बड़ी सुनवाई, अदालत के फैसले से पहले ट्रंप ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर अदालत ने टैरिफ के खिलाफ फैसला सुनाया, तो अमेरिका में 1929 जैसी महामंदी आ सकती है। यह मामला यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फेडरल सर्किट में चल रही है।ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, टैरिफ की वजह से अमेरिका की अर्थव्यवस्था को फायदा हो रहा है। शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर है और अरबों डॉलर अमेरिका में आ रहे हैं। ट्रंप का मानना है कि टैरिफ से अमेरिका में घरेलू उत्पादन बढ़ेगा और इससे सरकार को आयकर की जगह कमाई का दूसरा जरिया मिलेगा। उन्होंने लिखा, अगर कोई रेडिकल वामपंथी अदालत हमारे खिलाफ फैसला देती है, तो हम कभी भी इन पैसों और समृद्धि की भरपाई नहीं कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह अमेरिका के धन, ताकत और वैश्विक प्रभाव के खिलाफ होगा और इसका असर भविष्य पर पड़ेगा।

यूपी के इस जिले में बिजली विभाग के स्मार्ट मीटर का हो रहा जबरदस्त विरोध, लोगों ने जमा करा दिए 129 मीटर

अलीगढ़, 09 अगस्त [एजेंसी]।

किसानों के यहां स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध जारी है। शुक्रवार को क्रांतिकारी किसान यूनियन के बैनर तले लाल डिग्गी में अधीक्षण अभियंता कार्यालय का घेराव कर जिरौली डोर के 129 किसानों ने मीटर जमा कराए। अधिकारियों से नोकझोंक भी हुई। किसानों ने स्मार्ट मीटर विरोधी अभियान को गांव-गांव जारी रखने का ऐलान किया। ट्रैक्टर और निजी वाहनों से स्मार्ट मीटर लेकर किसान दोपहर 12 बजे लाल डिग्गी स्थित कार्यालय पर पहुंचे।गांव जिरौली डोर में किसानों के यहां मीटर लगा गए हैं। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण प्रथम अंशुमान यादव के कार्यालय के सामने धरना शुरू कर दिया। क्रांतिकारी किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत ने कहा कि स्मार्ट मीटर बिजली के निजीकरण की साजिश का हिस्सा है। सभी किसान-मजदूर एकजुटता के साथ कारपोरेट की ऐसी हर लूट की साजिश को नाकाम करेंगे।वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष नगेंद्र चौधरी ने कहा कि 13 अगस्त को कारपोरेट भारत छोड़ो दिवस के रूप में मनाते हुए देश पर टैरिफ थोपने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का पुतला जलाएंगे। मंडल प्रभारी सुरेशचंद्र गांधी, नरेंद्र पाल सिंह, सत्यवीर चौधरी, अशोक नगौला, कृष्णकांत सिंह, सर्वेश सिंह, शंकर पाल सिंह, चेतन सिंह व सूरजपाल उपाध्याय ने संबोधित किया। धरने के दौरान तीन बजे तक जब कोई अधिकारी नहीं आए तब अधीक्षण अभियंता ग्रामीण प्रथम के कार्यालय में संपर्क किया।फोन से वार्ता करने पर सभी अधिकारी मीटर की वापसी में आनाकानी करने लगे। तब किसानों ने अधीक्षण अभियंता के कार्यालय का घेराव कर लिया और नारेबाजी की। स्मार्ट मीटर योजना वापस करो, बिजली के निजीकरण का फैसला वापस लो आदि के नारे बिजली कार्यालय में गूंजने लगे। अधीक्षण अभियंता के साथ एसडीओ सारसौल किसानों के बीच वार्ता के लिए पहुंचे।

शुरुआत में सभी अधिकारी स्मार्ट मीटर के फायदे गिनाते रहे, लेकिन किसानों ने स्मार्ट मीटर योजना को सिरे से नकार दिया। किसान नेताओं के साथ एक घंटे की तीखी नोकझोंक के दौरान स्मार्ट मीटर में ज्यादा बिलिंग और प्रीपेड बिलिंग जैसी तमाम खामियां गिनाईं। आखिरकार अधिकारियों को किसानों की स्मार्ट मीटर वापसी की मांग को मानना पड़ा। 129 किसानों ने मय रिकार्ड के साथ विभाग में स्मार्ट मीटर जमा करा दिए।स्मार्ट मीटर के बारे में किसानों को समझाया गया है। किसानों ने मीटर जमा किए हैं। स्मार्ट मीटर धीरे-धीरे सभी जगह लगने हैं। गांव में कैंप लगाकर उन्हें फिर से समझाया जाएगा।

चुनाव आयोग मामले पर राहुल गांधी को मिला घटक दलों का साथ, कहा- लड़ाई में हम आपके साथ

नईदिल्ली, 09 अगस्त [एजेंसी]।

वोट चोरी के जरिए चुनावों में धांधली को अंजाम दिए जाने के राहुल गांधी के फोड़े गए एटम बम दावे की गंभीरता को चुनाव आयोग भले ही नकार रहा मगर विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन की तमाम पार्टियों के नेताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पूरा समर्थन करने का भरोसा दे दिया है। विपक्षी दलों के नेताओं की गुरूवार हुई रात्रि भोज रणनीतिक बैठक के दौरान तृणमूल कांग्रेस, सपा, शिवसेना यूबीटी से लेकर राजद सरीखे सभी प्रमुख घटक दलों के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव धांधली में कथित तौर पर चुनाव आयोग की अंदरूनी संदिग्ध भूमिका को उजागर करने की मुहिम में हर निर्णायक मोड़ पर कदम से कदम मिलाकर चलने की बात कही है। विपक्षी दलों से समर्थन का पुख्ता संदेश मिलने के साथ ही राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मुखर तेवर देना तय कर लिया है। चुनाव आयोग के खिलाफ 11 अगस्त को होने वाला विरोध मार्च इसकी पहली कड़ी बनेगी।वहीं बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के खिलाफ चुनावी धांधली के खिलाफ पटना में एक सितंबर को विपक्ष की मेगा रैली में मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे से लेकर आईएनडीआईए गठबंधन के शीर्षस्थ नेता शामिल होंगे। लोकसभा चुनाव 2024 में कर्नाटक की सेंट्रल बेंगलुरू सीट के एक विधानसभा सीट

महादेवपुरा में चुनाव आयोग की मतदाता सूची में एक लाख से अधिक फर्जी वोटर होने के राहुल गांधी के दावों का आईएनडीआईए के तमाम दलों का पूरा समर्थन करने की पुष्टि खुद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने की। साथ ही यह कहने से गुरेज नहीं किया कि तमाम नेताओं ने चुनाव आयोग के असहयोग के बावजूद चुनावी धांधली का खुलासा करने के लिए नेता प्रतिपक्ष के चुनौतीपूर्ण काम की प्रशंसा की।राहुल गांधी की रात्रि भोज बैठक में शामिल घटक दल के एक नेता ने कहा कि जब नेता विपक्ष ने चुनाव आयोग की कथित मिलीभगत से वोट चोरी के तौर-तरीकों का पूरा प्रजेंटेशन दिखाया उसके बाद उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, अभिषेक बनर्जी, सुप्रिया सूले आदि ने सराहना करते हुए साफ कहा कि यह लड़ाई केवल उनकी नहीं बल्कि संपूर्ण विपक्ष की है। शिवसेना यूबीटी की प्रवक्ता राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा भी कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने एक बेहतरीन आंकड़ों पर आधारित खोजी रिपोर्ट पेश की है और अब लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की यह जिम्मेदारी है कि वह समझौतावादी संस्थान बन चुके आयोग से जवाबदेही मांगे। विपक्षी नेताओं के पुख्ता समर्थन के मद्देनजर ही बिहार में पुनरीक्षण के जरिए बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करने के विरूद्ध महागठबंधन के अभियान को बड़ा आकार देते हुए आईएनडीआईए का मेगा कार्यक्रम बनाया जा रहा है। कांग्रेस के आधिकारिक सूत्रों ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग जिस तरह धांधली के आरोपों की जांच की बजाय राहुल गांधी पर राजनीतिक तरीके से हमले कर रहा उससे साफ है कि चुनावी धांधली के खिलाफ लड़ाई का यह फलक बड़ा ही नहीं आक्रामक भी होगा।

कांग्रेस की शुक्रवार को बेंगलुरू में हुई वोट अधिकार रैली के दौरान राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्वतंत्रता आंदोलन के करो या मरो की तरह मताधिकार छीनने के प्रयासों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने की घोषणा कर इसका साफ संदेश दिया।वहीं राहुल गांधी ने भी चुनाव आयोग की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाते हुए चुनावी धांधली के खिलाफ संघर्ष में किसी कीमत पर पीछे नहीं हटने का दो टूक संदेश देते हुए कहा भारत का लोकतंत्र बेशकीमती है, इसकी चोरी का अंजाम बहुत भयानक होगा।

राजस्थान के तीन जिलों में गैंगसटर लारेंस के ठिकानों पर NIA की छापेमारी, बदमाशों के परिजनों से की गई पूछताछ

जयपुर, 09 अगस्त [एजेंसी]।

एनआईए की टीम ने राजस्थान के तीन जिलों में 13 से ज्यादा ठिकानों पर शुक्रवार को गैंग्स्टर लारेंस बिश्नोई के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई शुरु की जो देर शाम तक जारी रही।यह छापेमारी अवैध हथियारों की आपूर्ति, आतंकी गतिविधियों एवं विदेशों से जुड़े हवाला के नेटवर्क के संबंध में की गई है। श्रीगंगानगर की जिला पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि जिले के 11 ठिकानों पर एनआइए की छापेमारी हुई है।जेल में बंद एक आरोपित साहिल के घर छापेमारी कर उसके स्वजन से पूछताछ की गई है। जानकारी के अनुसार बदमाश देवेंद्र, सुभाष एवं सतनाम के ठिकानों पर भी कार्रवाई की गई है। तीनों को दो महीने पहले गिरफ्तार किया या था। तीनों से एक विदेशी पिस्टल, चार विदेशी पिस्टल, 330 ग्राम हेरोइन और अन्य हथियार एवं नकदी बरामद की गई थी। बदमाश सत्यनारायण मेघवाल के ठिकानों पर छापेमारी कर उसके स्वजन एवं साथियों से पूछताछ की गई है। जानकारी के अनुसार हनुमानगढ़ और दौसा जिले में भी लारेंस गैंग से जुड़े शिवम की तलाश में छापेमारी की गई। शिवम के पिता से भी टीम ने पूछताछ की।

सूत्रों के अनुसार एनआईए की जांच में सामने आया कि पंजाब और हरियाणा के कई बदमाश राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में छिप रहे हैं। इनमें अधिकांश लारेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैं। हास्य कलाकार कपिल शर्मा को धमकाने वाला लारेंस गैंग का सदस्य हैरी बॉक्सर राजस्थान का निवासी है। उसका असली नाम हरिचंद्र है। अपराध की दुनिया में शामिल होने से पहले वह जयपुर में बॉक्सिंग सिखाता था। हैरी पर कई जिलों में लूट एवं हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं। वह 2022 से फरार है। मालूम हो कि कपिल पर फायरिंग को लेकर जारी आडियो में हैरी ने कहा था कि मैं हरी बाक्सर हूं, लारेंस गैंग से।कपिल पर पहले और अब फायरिंग इसलिए हुई, क्योंकि उसने अपने शो के उद्घाटन पर सलमान खान को बुलाया था। अब हम किसी निर्माता, निर्देशक या कलाकार को धमकी नहीं देंगे बल्कि सीधी गोलियां छाती में चलेगी।

400 यूनिट हाफ बिजली बिल योजना बंद करने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

जनता के हक पर कुठाराघात, भाजपा सरकार का पुतला दहन

नगर संवाददाता

कोरिया बैकुंठपुर। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा हाफ बिजली बिल योजना की 400 यूनिट तक की सीमा को समाप्त कर केवल 100 यूनिट तक सीमित किए जाने के विरोध में कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के नेतृत्व में आज बिजली कार्यालय के सामने नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की और बिजली विभाग के समक्ष पुतला दहन कर अपना आक्रोश जताया। यह प्रदर्शन आम जनता पर बढ़ते बिजली बिल के आर्थिक बोझ और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई गई।

कांग्रेस का कहना था कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई 400 यूनिट तक हाफ बिजली बिल योजना से प्रदेश के 44 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को राहत मिली थी, लेकिन साय सरकार ने इस योजना को खत्म कर आमजनता के साथ धोखा किया है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण बिजली दरों में लगातार वृद्धि हो रही है, बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। अंत में कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि अगर

सरकार ने 400 यूनिट तक हाफ बिजली बिल योजना को बहाल नहीं किया, तो कांग्रेस सड़क से विधानसभा तक आंदोलन करेगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, महामंत्री बृजवासी तिवारी, वरिष्ठ नेता मुख्तार अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, जिला सदस्य सुरेश सिंह, जनपद सदस्य गणेश राजवाड़े, बिहारी राजवाड़े, भूपेंद्र यादव, रवि राजवाड़े, सुरेंद्र तिवारी, दीपक गुप्ता, सुमन दुबे, कृष्ण कुमार राजवाड़े, अविनाश पाठक, संतोष गोयन, विजय चक्रधारी, रमेश देवांगन, रामसाय सोरी, हीरालाल साहू, मोहनलाल, शशि मांझी अंकित गुप्ता एवं अनेकों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनहत हायर सेकेंडरी स्कूल में पालक शिक्षक सम्मेलन का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनहत में पालक शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष ईश्वर प्रशाद राजवाड़े , विधायक प्रतिनिधि श्रीमती सुचित्रा पाल , उपसरपंच राजेश गुप्ता , सरपंच प्रतिनिधि दिनेश सिंह, स्वास्थ्य विभाग से सिंगार साय,जनप्रतिनिधि श्रीमती सुनैना सिंह , श्रीमती आरती काशी, श्रीमती लीलावती काशी , पालक सदस्य में श्रीमती चंपाकली, अशोका। कुमार, भानु प्रताप, अजमेर, मोहन, देवनारायण, रामेश्वरठाकुर, शिव कुमार, सीमा, अशोक कुमार, भानु प्रताप , अजमेर सिंह , मोहन , श्यामलाल , चिन्मय , तथा अन्य 51 पालक शामिल हुए , जिसमें पालक देवकुमार सिंह के द्वारा विद्यालय की गतिविधि , बच्चों को दिए जा रहे गृह कार्य और उनकी नियमित जांच के संबंधी शिक्षकों से बात की , सभी विषय शिक्षकों के द्वारा अभिभावकों को अपना परिचय दिया तथा बच्चों को आने वाली समस्या के हर समाधान का आश्वाशन पालकों को दिया गया , बच्चों को नियमित रूप से पड़ने के लिए पालक को ध्यान देने के लिए कहा गया।

जनपद अध्यक्ष और भाजपा मंडल अध्यक्ष ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा

शासन की योजनाओं को घर घर पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी-आशा

कोरिया बैकुंठपुर। सोनहत जनपद पंचायत की अध्यक्ष आशा सोनपाकर एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े ने विभिन्न ग्रामों का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात किया. केंद्र एवं राज्य सरकारों की योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में ग्रामीणों से भेंट कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जानकारी ली. इस बीच लोगों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। नवनिर्वाचित जनपद पंचायत अध्यक्ष आशा सोनपाकर लंबे समय से महिला जागृति एवं सामाजिक विकास पर सोनहत क्षेत्र में कार्य करते हुए क्षेत्र का नेतृत्व प्राप्त की हैं. उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि हम जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी आप सभी से रुबरु होकर समस्याओं के समाधान का है. भाजपा की सरकार मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विकास के लिए समर्पित है. हम किसी भी स्थिति में विकास की अनदेखी स्वीकार नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि सरकार की नीतियों का लाभ आमजन तक पहुंचाएं, ऐसा हमारा प्रयास रहेगा. उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि हम लगातार आपसे संपर्क और संवाद करेंगे. भाजपा मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता आमजन से जुड़कर अंतिम छोर तक विकास की रोशनी पहुंचाएंगे. इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री मनोज साहू सुरेश राजवाड़े मंडल मंत्री भीम राजवाड़े कोषाध्यक्ष दीपक जायसवाल भाजयुमो जिला मंत्री रमेश तिवारी भाजयुमो

उपाध्यक्ष दिलीप राजवाड़े रिकु राजवाड़े अजजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विक्की सारथी मुकेश राजवाडे आईटी सेल अनुज राजवाड़े संजय मानिकपुरी विक्की शक्ति केंद्र सहसंयोजक जयकरण यादव सत्येंद्र कुमार अनिल सोनपाकर मोहरसाय चेरवा दिनेश चेरवा अमर सिंह सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मुरमा में जिला स्तरीय पालक शिक्षक सम्मेलन का आयोजन

कोरिया बैकुण्ठपुर। जिले में पालक शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सभी शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक, अभिभावक और छात्र शामिल हुए। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार, श्रीमती चंदन त्रिपाठी, कलेक्टर कोरिया, और डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, के मार्गदर्शन में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने बैकुन्ठपुर की शासकीय माध्यमिक शाला में आयोजित बैठक में भाग लिया और अभिभावकों एवं छात्रों के साथ संवाद किए। उन्होंने बच्चों के शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधित पर चर्चा की तथा होमवर्क व वर्कबुक अभ्यास को अनिवार्य बनाने की सलाह दी। इसके अतिरिक्त, मोबाइल एवं नशे जैसी बुरी आदतों से बच्चों को दूर रखने और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर बल दिया। बैठक में पालकों ने शिक्षण में सुधार के सुझाव दिए और माँ के नाम अभियान, आवा पानी झोंकी, 5 प्रतिशत मॉडल, एवं मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान जैसी योजनाओं पर विमर्श हुआ। कलेक्टर ने बच्चों के अध्ययन के लिए घर में मेरा कोना स्टडी कॉर्नर बनाने, प्रगति रिपोर्ट मॉनिटरिंग, मंच में बोलने का आत्मविश्वास बढ़ाने और नेतृत्व क्षमताओं का विकास करने के टिप्स साझा किए। उन्होंने शाला परिसर का निरीक्षण भी किया और समयबद्ध संचालन हेतु निर्देश दिए। वहीं, शासकीय हाई स्कूल मुरमा में जिला शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र कुमार गुप्ता ने बोर्ड परीक्षा, मध्यान्ह भोजन, योग एवं स्वस्थ शरीर के महत्व पर प्रकाश डाला। जिलेभर के विद्यालयों में आयोजित बैठक, सांस्कृतिक कार्यक्रम और न्यौता भोज का भी आयोजन हुआ। इस दौरान, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक, मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास से जुड़े मुद्दों पर संवाद हुआ।

सभी काम छोड़कर अपने पक्के आवास निर्माण कार्य को दें प्राथमिकता-डॉ आशुतोष

जिला सीईओ ने ग्राम तेंदुआ में लगाई जनचौपाल, सोरगा स्थित नर्सरी का किया निरीक्षण

कोरिया बैकुण्ठपुर। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने गुरूवार को पटना क्षेत्र के ग्रामों का भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। अपने निरीक्षण भ्रमण में उन्होने ग्राम पंचायत तेंदुआ और सोरगा के कुछ प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रगतिरत कार्यों की गुणवत्ता का अवलोकन किया साथ ही ग्राम पंचायत तेंदुआ के ग्राम पंचायत भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से चौपाल लगाकर संवाद किया। उन्होंने सभी हितग्राहियों से उनकी आवास निर्माण प्रगति पर चर्चा की और आवश्यक सुझाव दिए। यहां प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए पक्के आवास में रहना एक सपने जैसा है और आप सभी स्वयं अपने सपनों को जल्द पूरा कर सकते हैं। इसके लिए आपको सभी काम छोड़कर अपने पक्के मकान बनाने में ध्यान देना होगा। प्रशासन आपको अपने सपने पूरे करने के लिए हर संभव मदद करने के लिए तैयार है।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत सोरगा में हितग्राही रघुवर सिंह के निर्माणाधीन आवास का अवलोकन किया। उन्होने हितग्राही रघुवर से बात करते हुए जल्द आवास कार्य पूर्ण करने की समझाइश दी साथ ही विभागीय अधिकारियों को निरंतर कार्य का निरीक्षण कर तकनीकी मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए।यहां उन्होने सभी को जल्द आवास निर्माण करने की सलाह देते हुए प्रत्येक स्तर पर तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए ग्राम पंचायत की टीम से सतत संपर्क बनाए रखने का सुझाव दिया। हितग्राही ग्रामीणों से उन्होने आवास निर्माण के दौरान किसी भी स्तर पर संसाधन की कमी होने पर सीधे ग्राम पंचायत को अवगत कराते हुए आवश्यक मदद लेने के लिए कहा।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष ने उद्यान विभाग की ग्राम पंचायत सोरगा में स्थित स्थायी रोपणी में पहुंचकर महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत तैयार की गई फलदार पौध नर्सरी का अवलोकन किया और फलदार पौधों की संख्या और उठाव के संबंध में जानकारी प्राप्त की। यहां विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले प्रत्येक पौधरोपण के लिए ज्यादा से ज्यादा फलदार पौधों का वितरण करें। यह उनके परिवार के बेहतर स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होगा और स्थानीय किसानों के लिए उनकी आजीविका के लिए भी साधन बन सकते हैं। विदित हो कि बीते वर्ष पौध तैयारी के अंतर्गत उद्यान विभाग द्वारा मनरेगा योजनांतर्गत सोरगा नर्सरी में एक लाख पौधे तैयार किए गए हैं। इनमें आम जामुन कटहल,सीताफल, मुनगा, अमरूद, गुलमोहर और अशोक के पौधे शामिल हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इनमें से अब 35 हजार से अधिक पौधों का उठाव हो चुका है।

इस दौरान उद्यान विभाग के अधिकारियों के अलावा जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जिला पंचायत से मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना के अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक रक्षाबंधन का त्योहार इस साल 9 अगस्त 2025, शनिवार को मनाया जा रहा है। पंचांग के अनुसार, हर साल सावन मास की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन मनाया जा रहा है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को समर्पित है। आज के दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना करती हैं। वहीं बदले में भाई अपनी बहन को रक्षा का वचन देते हैं और उन्हें उपहार देकर अपना प्रेम जाहिर करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर राखी मनाने की परंपरा कैसे शुरू हुई? आपको बता दें कि इस त्योहार से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं, लेकिन सबसे प्रसिद्ध और रोचक कथा राजा बलि और माता लक्ष्मी से जुड़ी हुई है। ऐसे में आइए जानते हैं इस खास पर्व के पीछे की दिलचस्प कहानी।

राजा बलि और माता लक्ष्मी की कथा

यह कथा देवी लक्ष्मी और राजा बली से भी जुड़ी है। कथा के अनुसार, एक बार जब राक्षसों के राजा बली ने अपनी भक्ति और तप से भगवान विष्णु को प्रसन्न कर लिया, तो उन्होंने उनसे अपनी रक्षा का वचन मांगा। भगवान विष्णु ने वादा निभाते हुए बली के द्वारपाल बन गए। इससे देवी लक्ष्मी चिंतित हो उठीं। ऐसे में देवी लक्ष्मी साधारण स्त्री का रूप धारण कर बली के पास पहुंचीं और उसे राखी बांध दी। बली भावुक हो गया और उन्हें मनचाही इच्छा मांगने को कहा। इस पर देवी लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को द्वारपाल से मुक्त करने का वचन मांगा।

भगवान श्रीकृष्ण और द्रौपदी की कथा

एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्रीकृष्ण को उंगली में चोट लग गई, जिससे रक्त बहने लगा। यह देखकर द्रौपदी परेशान हो गई और उन्होंने तुरंत अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर श्रीकृष्ण की उंगली पर बांध दिया। द्रौपदी के इस प्रेम से श्रीकृष्ण अत्यंत भावुक हो गए और उन्होंने वचन दिया कि जब भी द्रौपदी पर कोई संकट आएगा, वे उनकी रक्षा करेंगे।

रानी कर्णावती और हुमायूं की कहानी

ऐसा कहा जाता है कि जब चित्तौड़गढ़ पर गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह का आक्रमण हुआ और चित्तौड़गढ़ की स्थिति कमजोर पड़ने लगी। उनकी सेना बहादुर शाह की सेना से अकेले मुकाबला करने में सक्षम नहीं थी। तब मेवाड़ की रानी कर्णावती ने मुगल सम्राट हुमायूं को राखी भेजी और उनसे सहायता मांगी। उस समय रानी विधवा थीं और उनके नन्हे पुत्र भी अपनी मां की छाया में ही राज्य के उत्तराधिकारी बनने की राह देख रहे थे। इस लड़ाई में लगातार मेवाड़ की सेना कमजोर पड़ रही थी। ऐसे में रानी कर्णावती ने हुमायूं को राखी भेजा और उन्हें भाई मानकर चित्तौड़ की रक्षा के लिए पुकारा। हुमायूं ने राखी को स्वीकार कर रानी कर्णावती को बहन का दर्जा दिया और तुरंत चित्तौड़ की सहायता के लिए अपनी सेना रवाना की।

हालांकि हुमायूं के पहुंचने से पहले ही चित्तौड़ पर हमला हो चुका था और रानी ने जौहर कर लिया था। लेकिन उन्होंने बाद में न केवल चित्तौड़ को बहादुर शाह के कब्जे से मुक्त करवाया, बल्कि रानी कर्णावती के पुत्रों को भी सुरक्षित बचा लिया। हालांकि, इस कहानी के पीछे कोई प्रमाण नहीं है।

मेयर ने दी बधाई

कोरबा। महापौर संजू सिंह ने रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर जिलावासियो को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और परस्पर सौहार्द की मंगलकामना करते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की आत्मीयता, समर्पण और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। महापौर ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है, जिसमें बहनें अपने भाई की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सुरक्षा के लिए रक्षा-सूत्र बांधती हैं, वहीं भाई भी बहनों की रक्षा और सम्मान का संकल्प लेते हैं। रक्षाबंधन पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों को सशक्त करने वाला पर्व है।

मां के चरित्र पर उंगली उठाई तो नाराज पुत्र ने कर दी पिता की हत्या

कोरबा। लंबे समय से घर में चल रही कलह को देख पुत्र का खून खौल उठा। उसने आव देख न ताव और फ़ावड़ा से हमला कर पिता की जान ले ली। पुलिस ने विधि से संघर्षरत किशोर को अभीरक्षा में लिया है । उसे किशोर न्याय बोर्ड में पेश करने के बाद सुधार ग्रह भेजा जाएगा।

करतला के प्रधान पारा में यह घटना शुक्रवार को 11 बजे के आसपास हुई। इस घटना में 40 वर्षीय धनीराम यादव की मौत हो गई। मृतक अपने परिजनों के साथ यहां निवासरत था। खबर के अनुसार पिछले कुछ दिनों से उसका रवैया अपनी पत्नी को लेकर ठीक नहीं था और यह बात परिवार के अन्य लोगों को नागवार लग रही थी।

करतला थाना प्रभारी केके वर्मा ने बताया कि मृतक धनीराम यादव के द्वारा अपनी पत्नी के चरित्र को लेकर टिप्पणी की जा रही थी। दूसरे से अफेयर होने की बात में घर में करता था जिससे कलह के हालात न केवल बने बल्कि समय के साथ और मजबूत होते गए। बताया गया कि शुक्रवार को इसी बात को लेकर विवाद पैदा हुआ। भोजन तैयार हुआ तो धनीराम ने उसे आवेश में आकर फेंक दिया। इतना ही नहीं उसके द्वारा फ़ावड़ा लेकर अपने 16 वर्षीय पुत्र को करने के लिए दौड़ा। इसी बात को लेकर विवाद और बढ़ गया। पहले से ही माँ के चरित्र को लेकर पिता के द्वारा लगाए जा रहे लांछन से वह क्षुब्ध था। शुक्रवार की घटना ने उसे और ज्यादा नाराज कर दिया। पिता की हरकत की प्रतिक्रिया में पुत्र ने उससे फावड़ा छीना और उसी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस घटना में धनीराम की मौके पर ही मौत हो गई। लगभग 4 घंटे बाद आसपास के लोगों को इसकी जानकारी हुई, तब पुलिस के पास सूचना पहुंची। इसके बाद मौके पर पहुंच संज्ञान लिया गया। इस प्रकरण में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा के अंतर्गत मर्ग और हत्या का अपराध दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी वर्मा ने बताया कि विधि से संघर्षरत किशोर को कस्टडी में लेने के साथ अगली कार्रवाई की जा रही है।

मरवाही से अचानक धमके दंतैल हाथियों ने बरदापखना में ढाया कहर

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। जहां बीती रात जीपीएम जिले के मरवाही वन परिक्षेत्र से अचानक धमके दो दंतैल हाथियों ने रेज के बरदापखना गांव में भारी कहर ढाया। इस दौरान दंतैल हाथियों ने गजराज सिंह एवं सिकंदर नामक दो ग्रामीणों के घरों को ढहा दिया, वहीं एक अन्य की बाड़ी में प्रवेश कर वहां लगे मक्का तथा केले के पौधों को तहस-नहस कर दिया, जिससे संबंधितों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। हाथियों के डर से ग्रामीण रतजगा करते रहे। सुबह होने पर वन विभाग को सूचित किया, जिस पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर रात में हाथियों द्वारा किए गए नुकसानी के आंकलन में जुट गए हैं। वन अधिकारियों के मुताबिक आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क करने का काम भी शुरू कर दिया गया है। इससे पहले भी इन दंतैल हाथियों ने यहां पहुंचकर काफी उत्पात मचाया था जिससे क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल था। गांव वाले हाथियों के उत्पात से बेहद परेशान हैं और डर के मारे खेतों में जाना भी बंद कर दिया है जिससे खेती का काम पिछड़ रहा है। याद रहे कटघोरा वनमंडल के केंदई, पसान, एतमानगर और जटगा रेंज में 80 की संख्या में हाथी घूम रहे हैं। हाथियों ने क्षेत्र को अपना बसेरा बना लिया है। इधर कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में मौजूद 22 हाथियों का दल बीती रात कल्गामार से कुदमुरा का रूख कर लिया है। हाथियों को आज सुबह यहां के जंगल के कक्ष क्रमांक 1140 में देखा गया और इसकी सूचना वन विभाग को दी गई जिस पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी में जुट गए हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच जिला जेल में बांधी गई राखी

कोरबा। जेल मैन्युअल के अंतर्गत इस बार यहां के जिला जेल और कटघोरा के उप जेल में रक्षाबंधन पर्व संपन्न हुआ। हाल में हुई घटना को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था मौके पर की गई थी ताकि किसी प्रकार की अनहोनी का सामना फिर ना करना पड़े।

प्रशासन के द्वारा विभिन्न त्योहार उनके परिजनों को दी जाती है ताकि उनके द्वारा खुशियों को साझा किया जा सके और दर्द कम हो सके। जेल में व्यवस्थाएं की गई। मौके पर महिला पुरुष बंदियों से मिलने के लिए उनके परिजन पहुंचे। जरूरी औपचारिकता की पूर्ति करने के साथ राखी बांधी गई और मुंह मीठा कराया गया। इस दौरान भावनाओं का ज्वार उमड़ते देखा गया। प्रबंधन ने बंदियों को संकल्प दिलाया कि वे अपने व्यवहार को सही करेंगे और यहां से मुक्त होने के बाद जीवन को सही दिशा देने का काम करेंगे ताकि शेष भविष्य बेहतर हो सके। उन्हें यह भी कहा गया कि अलग-अलग कारण से लोग कई प्रकार के अपराध कर बैठे हैं और बाद में इसके लिए लंबे समय तक पछतावा होता है। इसलिए जरूरत इस बात की है की परिस्थितियों के साथ समन्वय बनाया जाए और फालतू की चीजों की तरफ से ध्यान को हटाया जाए। वंचित समुदाय के इलाके में पहुंचकर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने और मुंह मीठा कराया।

भाजपाई निकालेंगे तिरंगा यात्रा

कोरबा। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर भाजपाईयों के द्वारा सभी मण्डलों में तिरंगा यात्रा घर-घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कटघोरा मंडल में प्रभारी सतीश झा व अभिषेक गर्ग द्वारा बैठक ली गई, जिसमें कटघोरा व छुरी में अलग-अलग तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। 11 अगस्त को छुरी में तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी। जिसके प्रभारी प्रीतम देवांगन, हीरानंद पंजवानी, डेकरांत देवांगन, गायत्री श्रीवास्तव को बनाया गया है।

जानकी मंदिर का निर्माण गौरव का विषय : अजय

कोरबा। सनातन संघर्ष समिति के जिला संयोजक अजय दुबे ने कहां है पुनौरा धाम सीतामढ़ी में माता सीता के मंदिर के नवनिर्माण का निर्णय उत्साहित करने वाला है। यह गौरव का विषय है। रिकॉर्ड समय में इसके बनने के साथ लोगों को अयोध्या के साथ-साथ माता सीता के मंदिर के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार दौरे के अंतर्गत सीतामढ़ी जिले में 890 करोड रुपए से बनने वाले जानकी धाम का भूमि पूजन किया। प्राचीन मंदिर के विकास के साथ-साथ 85 एकड़ क्षेत्र में पर्यटन विकास से संबंधित काम कराए जाने हैं। अजय दुबे ने कहा की माता सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम में पहले से मंदिर अवस्थित है जिसकी भव्यता को लेकर लगातार मांग हो रही थी। पुनौरा धाम में नवीन मंदिर के निर्माण के साथ यह देश और दुनिया का आकर्षण बनेगा।

हर युग में सज्जन शक्ति की रक्षा के लिए अवतार लिया दिव्य शक्तियों ने : द्विवेदी

कृष्णा नगर में शिव महापुराण कथा का हुआ समापन

कोरबा। कोरबा के एसईसीएल क्षेत्र अंतर्गत कृष्णा नगर के चित्रगुप्त मंदिर परिसर में शिव महापुराण कथा का सात दिवसीय आयोजन पूर्ण हो गया। अंतिम दिवस हवन पूजन के साथ भंडारा में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कृष्णा नगर नागरिक संगठन की ओर से शिव महापुराण कथा का आयोजन सावन के महीने में किया गया। पंडित दशरथ नंदन द्विवेदी के द्वारा यहां भगवान महादेव की महिमा का वर्णन किया गया। विभिन्न प्रसंगों पर आकर्षक झांकियां निकाली गई जिन्होंने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। इनके माध्यम से कथा के प्रसंग को जीवंत करने की कोशिश की गई। कथा के अंतर्गत पंडित द्विवेदी ने बताया कि हर युग में राक्षसी प्रवृत्तियों के द्वारा सज्जन शक्ति को परेशान करने का काम किया गया और फिर उनको नष्ट करने के लिए दिव्य शक्तियों का अवतार हुआ। शिव महापुराण कथा में ऐसे अनेक प्रसंग है जो इस बात को रेखांकित करते हैं कि भगवान महादेव ने किस प्रकार से असुरों को समाप्त किया। कथा सप्ताह में प्रतिदिन रुद्राभिषेक भी कराया गया जिसमें क्षेत्र के नागरिकों में शामिल होकर अनुष्ठान से पुण्य प्राप्त किया। अंतिम दिवस वैदिक मित्रों के साथ हवन पूजन संपन्न कराया गया और इसके बाद भक्तों को महाप्रसाद प्राप्त हुआ।

राजनीति में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए युवा वर्ग से काफी उम्मीद

कोरबा। भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव नियुक्त होने के बाद पहली बार गृहनगर दीपका कोरबा पहुंचीं अवंतिका तिवारी का शनिवार को गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनके निवास पर पहुंचे कांग्रेसजनों और समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव तनवीर अहमद ने कहा अवंतिका तिवारी की राष्ट्रीय स्तर पर हुई नियुक्ति न केवल हमारे क्षेत्र बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। उनके नेतृत्व में युवा कांग्रेस को नई ऊर्जा और सक्रियता मिलेगी। यह समय युवाओं के लिए राजनीति में सकारात्मक बदलाव लाने का है और अवंतिका इसमें अहम भूमिका निभाएंगी। स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस नेता विशाल शुक्ला, जिला युवा कांग्रेस कोरबा महासचिव भरत मिश्रा, कटघोरा विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष रहमान खान, सांसद प्रतिनिधि अफजल अली, जिला महासचिव युवा कांग्रेस बालेंद्र सिंह, ढ्रुझ्र-ष्ट्श्वरू एवं सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष फैयाज अंसारी, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष दीपका सद्दाम शेख, नीरज बंजारे, रामनाथ चौहान समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर अवंतिका तिवारी ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि वे संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगी।

पुरातन संस्कृति से जुड़ा हुआ है रक्षाबंधन पर्व : हितानंद

कोरबा। बालको नगर स्थित ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्थान में रक्षाबंधन त्योहार के उपलक्ष में राखी बांधने का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जहां दीदी रुक्मणी के द्वारा सभी उपस्थित लोगों के कलाई में रक्षा सूत्र बांधा गया। कार्यक्रम में अतिथि स्वरूप पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, वरिष्ठ कार्यकर्ता सुमित तिवारी एवं लोकेश्वर चौहान, मंडल अध्यक्ष डीलेंद्र यादव, महामंत्री जय नंद राठौर, महामंत्री संपत यादव, मंडल मंत्री माहेश्वरी गोस्वामी, कृष्णी राठौर, बालको मैत्री संघ से अध्यक्ष के एन सेठ, महामंत्री पीएल सोनी आदि उपस्थित थे।

एनडीपीएस एक्ट में एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोरबा। सिविल लाइन पुलिस और साइबर सेल की टीम ने मिलकर 14 किलो गांजा जप्त करने में सफलता हासिल की है। खरमोरा हाउसिंग बोर्ड के समीप आरोपियों को स्कॉर्पियो में गांजा ले जाते पकड़ा गया। पता चला है कि आरोपी उड़ीसा से गंजा लाकर उसे कोरबा में खपाने की तैयारी में थे। पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए इस गिरोह से जुड़े अन्य सूत्रों के विषय में जानकारी हासिल कर रही है।

फ्लाई ऐश से आर्थिकी को मिल रही मजबूती

बालको ने फ्लाई ऐश की उपयोगिता पर किया बड़ा काम

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए फ्लाई ऐश (राख) के पुन: उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। थर्मल पावर प्लांट्स से उत्पन्न फ्लाई ऐश का पुन: उपयोग करते हुए उसे टिकाऊ ईंटों में बदला जा रहा है, जो प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न सरकारी परियोजनाओं में उपयोग की जा रही हैं। यह पहल ग्रामीण और शहरी आवास विकास में सतत आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए नए रास्ते खोल रही है।

राष्ट्रीय सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप बालको 70 से अधिक स्थानीय ईंट निर्माण यूनिट को फ्लाई ऐश की आपूर्ति कर रहा है, जिससे पर्यावरण-अनुकूल ईंटों का उत्पादन संभव हो पा रहा है और सार्वजनिक अधोसंरचना परियोजनाओं में इनका उपयोग किया जा रहा है।फ्लाई ऐश ईंटें पारंपरिक लाल ईंटों की तुलना में हल्की, अधिक टिकाऊ और थर्मल इंसुलेशन में बेहतर होती हैं, जिससे ये ऊर्जा की बचत वाले निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त साबित होती हैं। जबकि लाल ईंटों के निर्माण में उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है, जिससे भूमि क्षरण होता है। वहीं फ्लाई ऐश ईंटें औद्योगिक अपशिष्ट का पुन: उपयोग करके प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में योगदान देती हैं और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती हैं। यह परिवर्तन भारत की सर्कुलर इकोनॉमी के लक्ष्यों को सीधे तौर पर लाभप्रद साबित हो रहा है और स्थानीय उद्यमों को सशक्त बना रहा है।बालको फ्लाई ऐश की नि:शुल्क आपूर्ति करता है, जिससे ईंट निर्माताओं के लिए कच्चे माल की लागत में कमी आती है और वे पारंपरिक लाल ईंटों का टिकाऊ और मजबूत विकल्प तैयार कर पाते हैं।बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हम सर्कुलर इकोनॉमी के सिद्धांतों को अपनाकर न सिर्फ पर्यावरण की रक्षा कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय और सूक्ष्म उद्योगों को भी सशक्त बना रहे हैं। फ्लाई ऐश से बनी ईंटों का इस्तेमाल बढ़ाकर हम पर्यावरण के अनुकूल निर्माण को बढ़ावा दे रहे हैं। यह हमारे संसाधनों के सस्टेनेबल इस्तेमाल की एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है।बालको की फ्लाई ऐश इस्तेमाल करने की योजना का मकसद संसाधनों का बेहतर और सही तरीके से उपयोग करना है। कंपनी 100 प्रतिशत ऐश उपयोग प्राप्त कर चुकी है और सीमेंट, निर्माण तथा सड़क विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में फ्लाई ऐश की आपूर्ति कर रही है। इस पहल के माध्यम से बालको औद्योगिक अपशिष्ट के उत्पादक उपयोग को बढ़ावा देते हुए एक हरित भविष्य की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है, जो उद्योग और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है।कंपनी ऐश कंट्रोल टॉवर (एसीटी) तकनीक से राख प्रबंधन दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और राख के परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए रियल टाईम की निगरानी भी करता है। कंपनी शत प्रतिशत ऐश उपयोग कर रही है जो उद्योग जगत के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब भारत सरकार भी अपशिष्ट से संपत्ति (वेस्ट टू वेल्थ) जैसी योजनाओं के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना रही है। ऐसे में बालको का यह मॉडल राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका की तरह देखा जा रहा है।

प्रदेश सह प्रभारी जरिता का आगमन 12 को

कोरबा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सह प्रभारी जरिता का कोरबा आगमन 12 अगस्त को हो रहा है। उनके द्वारा 13 अगस्त को कार्यकर्ताओं की बैठक ली जायेगी। मण्डल गठन करने को लेकर प्रभारियों के साथ चर्चा होगी। जिसके स्वागत की तैयारी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज चौहान, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष प्रभा तंवर, महामंत्री भुनेश्वरी दास, शहर अध्यक्ष नाथू यादव, ब्लाक अध्यक्ष टीकाराम मनहर, दिलीप सिंह, गोरेलाल यादव, रहमान खान, नारायण कुर्रे के द्वारा शुरू कर दी गई है।

अवैध शराब जब्त

कोरबा। उरगा पुलिस ने सकरानी गांव में रहने वाले अर्जुन दास महंत से 15 लीटर कच्ची शराब जब्त की है। बताया गया कि वह छिंदवारभाठा क्षेत्र में शराब की सप्लाई करने पैदल पहुंच रहा था। मुखबिर की सूचना पर राजेश तिवारी और टीम ने दबिश देकर उसे पकड़ा। आबकारी एक्ट में कार्रवाई की गई।

व्यस्त इलाकों में पुलिस का मार्च, देखी व्यवस्था

कोरबा। कटघोरा नगर में रक्षाबंधन और विश्व आदिवासी दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर लोगों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में बढ़ते दबाव और संभावित सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, कटघोरा पुलिस ने शनिवार को नगर में फ्लैग मार्च निकालकर आमजन में जागरूकता फैलाने का काम किया।

थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी के नेतृत्व में यह फ्लैग मार्च नगर के मुख्य बाज़ार,बस स्टैंड व प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से गुज़रा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने और पॉकेटमारी, चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं से सावधान रहने की अपील की। पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि तीन सवारी, शराब पीकर वाहन चलाने और अन्य यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, नगर के हर महत्वपूर्ण स्थान पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था, अपराध या दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके। थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य त्योहार के मौके पर लोगों को सुरक्षित माहौल प्रदान करना और किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को खत्म करना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें, भीड़भाड़ वाले इलाकों में सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

माताओं- बहनों की खुशहाली ही है विष्णु देव का

संकल्प रक्षाबंधन

एक बहन के लिए भाई उसके सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि की कामना करता है, ताकि वह खुशहाल जीवन जी सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की माताओं- बहनों के प्रति इसी संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता से काम रही है। बैंक खाते में नगद राशि के साथ 'महतारी वंदन योजना' उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान दिला रही है। प्रदेश की लाखों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर समृद्धि का रास्ता तय कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण की योजनाओं से प्रदेश में महिलाओं के अंदर अब जो सुरक्षा का भाव पैदा हुआ है, वह उन्हें एक नया आत्मविश्वास दिला रहा है।

सशक्त महिलाएं समृद्ध छत्तीसगढ़

महतारी वंदन योजना

अब तक 69.19 लाख से अधिक महिलाओं को ₹11728 करोड़ की सहायता

सखी वन स्टॉप सेंटर

SOP लागू करने वाला पहला राज्य, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी सहायता

यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय के लिए मिलेगा वृहद बाजार

मानदेय सीधे बैंक खातों में

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय अब सीधे बैंक खातों में भुगतान से पारदर्शिता

महतारी सदन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में उद्यम- व्यवसाय केंद्र की स्थापना

छत्तीसगढ़ महिला कोष

महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण

सक्षम योजना

विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा और अविवाहित महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में सहायता

लखपति दीदी योजना

योजना का उद्देश्य प्रत्येक जिले में 35,000 महिलाओं को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करना

बिहान योजना

इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित करना

मिनीमाता महतारी जतन योजना

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद 20,000 की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना

18 से 50 वर्ष की महिला श्रमिकों को सिलाई मशीन हेतु सहायता

भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व 'रक्षाबंधन' हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन बहनें मंगल कामना के साथ अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधती हैं और भाई उनकी रक्षा का वचन देते हैं। यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत बनाता है। रक्षाबंधन का त्यौहार अपनी बहनों के साथ ही सभी महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और अस्मिता के लिए जागरूक और प्रतिबद्ध करता है। हमारी सरकार उनकी सुरक्षा, सम्मान, समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

-विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

महिला कल्याण के लिए चार नए पोर्टल

- शी- बाक्स ऑनलाइन शिकायत पोर्टल
- बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पोर्टल
- महिलाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास और निगरानी के लिए इंफ्रा पोर्टल
- महिला कल्याण की विभिन्न योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए स्थापना पोर्टल

सम्मान

खिलेश्वरी को मिली आर्थिक सुरक्षा

रायपुर जिले के बनरसी गाँव निवासी खिलेश्वरी ओगरे बिहान शारदा ग्राम संगठन समूह से जुड़ी हैं। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली 1,000 रुपये की सहायता से वे अब आर्थिक सुरक्षा का अनुभव कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहले परिवार का भरण-पोषण मुश्किल था, लेकिन अब यह राशि उनके खाते में जमा रहती है, जो विपरीत परिस्थितियों में सहारा बनती है। वे कहती हैं, "महीने के अंत में जब पैसे खत्म हो जाते हैं तो इस 1,000 रुपये से हमें बहुत मदद मिलती है। मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूँ।" खिलेश्वरी, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बिहान समूह से भी जुड़ी हैं। इस समूह से जुड़कर उनके जैसी ही कई महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की राह पर चल रही हैं।

सुरक्षा

सुरक्षित मातृत्व के लिए सहायता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत् पहली बार माँ बनने वाली महिलाओं को दो किस्तों में सहायता राशि दी जाती है। पहली किस्त में 3000 रुपए दिए जाते हैं और दूसरी किस्त में 2000 रुपए की राशि प्रसव के बाद टीकाकरण की पुष्टि होने पर दी जाती है। महासमुंद के इमलीभाठा में रहने वाली गायत्री देवांगन ऐसी ही एक महिला हैं। जब उन्हें इस योजना के तहत 5000 रुपए की राशि मिली, तो उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने अच्छे स्वास्थ्य और पोषण पर किया। इसके साथ ही उन्हें राज्य सरकार की कौशल्या मातृत्व सहायता योजना के अंतर्गत दूसरी बार गर्भवती होने पर 6000 रुपए की अतिरिक्त सहायता प्राप्त हुई।

समृद्धि

सफल कारोबारी के रूप में मिली पहचान

एक सामान्य परिवार से आने वाली नीतू गुप्ता ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत लक्ष्मी स्वसहायता समूह से जुड़कर बैंक लिंकेज के माध्यम से एक लाख रुपये का मुद्रा लोन लेकर किराने की दुकान खोली। नीतू सिलाई का कार्य भी करती हैं। साथ ही अपने पति श्री सुनील गुप्ता के साथ खेती कार्य में भी उनका साथ देती हैं। नीतू ने लोन से लिए हुए पैसों से कारोबार शुरू किया और अपनी मेहनत और हुनर के दम पर अब एक सफल कारोबारी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वे अब अपने बच्चों का पालन पोषण अच्छी तरह से कर पा रही हैं। वे आज लखपति दीदी बन गई हैं।

समानता

व्यंजन बनाने की रुचि ने बनाया आत्मनिर्भर

25 वर्षीया पायल नेताम ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत चार लाख रुपये का ऋण लेकर बेकरी की दुकान खोली। वे बेकरी व्यवसाय से अच्छी-खासी आमदनी हासिल कर रही हैं। साथ ही दो लोगों को रोजगार भी दिया है। पायल केक तैयार कर आसपास के गांवों में ऑर्डर अनुसार भेजती हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन दो से तीन हजार रुपये तक शुद्ध आय हो जाती है। इससे उन्हें समाज में समानता और आत्मनिर्भरता वाली पहचान मिली है। पायल ने अपने हुनर और कौशल के साथ शासकीय योजना का लाभ लेकर अपने आप को अब सफल कारोबारी के रूप में स्थापित कर लिया है।

सशक्तीकरण

पुष्पा के हौसलों को मिली उड़ान

पुष्पा यादव 20 दिनों का ड्रोन पायलेट का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद गांवों के खेतों में फसलों पर ड्रोन चलाकर कीटनाशक का छिड़काव करती हैं। प्रति एकड़ कीटनाशक छिड़काव करने पर उन्हें 300 रुपए की आय होती है। विगत डेढ़ माह में ही वह 26 हजार रुपए की आय अर्जित कर चुकी हैं। वे कहती हैं कि स्वयं की खेती, पशुपालन, नरेगा मैट, ड्रोन पायलेट का कार्य कर सालभर में 1 लाख 50 हजार रुपए से अधिक कमा रही हूं। अब पुष्पा को नई पहचान मिली है। गांव वाले उन्हें ड्रोन दीदी पुष्पा के नाम से जानने लगे हैं। पुष्पा की आत्मनिर्भरता देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी प्रोत्साहित हो रही हैं और उन्हें भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है।

सहभागिता

साथ मिलकर तरक्की की राह पर

छत्तीसगढ़ का 'जशप्योर ब्रांड' जो आदिवासी महिलाओं द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता वाले और स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों को बाजार में प्रस्तुत करता है। अब यह ब्रांड केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत में अपनी जगह बना चुका है, चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। समूह से जुड़ी कई महिलाएं आज पूरी आत्मनिर्भरता के साथ सम्मान पूर्वक जीवन जी रही हैं। जशप्योर आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का सफल प्रयास है। इसके माध्यम से इन महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है।

S-44836/96

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com